किफायती दरों में अपना विज्ञापन प्रकाशित करें और अपने व्यापार को और ऊंचाईयों पर ले जाएं।
संपर्क करें:
7018631199

www.himalayanupdate.com | 7018631199 | साप्ताहिक समाचार पत्र | Postal Regd no: HP/128/SML/ 2023-25

आपकी आवाज़

हिमालयन अपडेट

RNI-HPHIN/2017/73579

7018631199 | सोमवार 10 जून से 16 जून 2024 | वर्ष: 08 अंक: 10 पृष्ठ: 08, मूल्य: 5 रू. | शिमला से प्रकाशित | himalayanupdate@gmail.com

अपने क्षेत्र की समस्या के बारे में हमें लिखें।
himalayanupdate@gmail.com

मैं नरेंद्र दामोदर दास मोदी...

मोदी सरकार 3.0 में 72 नेताओं ने ली मंत्री पद की शपथ, प्रधानमंत्री मोदी की नई टीम में 30 कैबिनेट मंत्री,- पांच राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और 36 राज्य मंत्री

नई दिल्ली/हिमालयन अपडेट

प्रधानमंत्री के तौर पर नरेन्द्र मोदी ने रविवार को तीसरी बार पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। उनके साथ कुल 71 मंत्रियों ने भी पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। इनमें 30 कैबिनेट मंत्री, पांच राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार और 36 राज्य मंत्री हैं। प्रधानमंत्री के तौर पर नरेन्द्र मोदी के शपथ लेने के बाद राष्ट्रपति ने राजनाथ सिंह, अमित शाह, नितिन गडकरी, जेपी नड्डा, शिवराज सिंह चौहान, निर्मला सीतारमण और एस. जयशंकर को कैबिनेट मंत्री की शपथ दिलाई। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर को भी इस बार मंत्रिमंडल में स्थान मिला है। मनोहरलाल ने एस. जयशंकर के बाद शपथ ली। वहीं, एनडीए के सहयोगी दलों में सबसे पहले एचडी कुमारस्वामी ने शपथ ली। फिर हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा के नेता एवं बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी और जनता दल (यू) के नेता राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने भी कैबिनेट मंत्री की शपथ ली। उसके बाद तेलगु देशम पार्टी के नेता किंजरापु राम मोहन नायडू ने शपथ ली।

लोक जनशक्ति पार्टी के चिराग पासवान और नवसारी से सांसद बने सीआर पाटिल ने भी शपथ ली। इनके अलावा, पीयूष गोयल, धर्मेंद्र प्रधान, सवानंद सोनोवाल, वीरेंद्र सिंह, प्रह्लाद जोशी, जुएल ओराम, गिरिराज सिंह, अश्वनी वैष्णव, ज्योतिरादित्य सिंधिया, भूपेन्द्र यादव, गजेन्द्र सिंह शेखावत, अन्नपूर्णा देवी, किरण रिजिजू, हरदीप सिंह पुरी, मनसुख मंडाविया और जी किशन रेड्डी ने शपथ ली।

राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार- कैबिनेट मंत्रियों के बाद राष्ट्रपति ने स्वतंत्र प्रभार वाले राज्यमंत्रियों शपथ दिलाई। जिन पांच सांसदों को राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार के तौर पर शपथ दिलाई गई, उनमें अर्जुनराम मेघवाल, प्रतापराव जाधव, राव इंद्रजीत सिंह, जितेंद्र सिंह और जयंत चौधरी शामिल हैं।

ये बनाए गए राज्यमंत्री- जितिन प्रसाद, श्रीपद नाईक, पंकज चौधरी, कृष्णपाल गुर्जर, रामदास अठावले, रामनाथ ठाकुर, नित्यानंद राय, अनुप्रिया पटेल, वी सोमन्ना,
पी चंद्रशेखर, एसपी सिंह बघेल, शोभा करंदलाजे, बीएल वर्मा, कीर्ति वर्धन, सिंह, शांतनु ठाकुर, सुरेश गोपी, एल मुरुगन, अजय टम्टा, बंडी संजय कुमार, कमलेश पासवान, भगीरथ चौधरी, सतीश चंद्र दुबे, संजय सेठ, रवनीत सिंह बिट्टू, दुगादंस उइके, रक्षा खडसे, सुकांता मजूमदार, सावित्री ठाकुर, तोखन साहू, डॉ राजभूषण चौधरी, भूपति राजू श्रीनिवासन, हर्ष मल्होत्रा, निमुबेन बंभानिया, मुरलीधर मोहोल, जॉर्ज कुरियन, पबित्रा मार्गेरिटा।

6 पूर्व मुख्यमंत्रियों ने भी ली, बने कैबिनेट मंत्री

नरेन्द्र मोदी ने लगातार तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री के रूप में पद और गोपनीयता की शपथ ले ली है। पीएम मोदी के बाद राजनाथ सिंह, अमित शाह, नितिन गडकरी, जय प्रकाश नड्डा ने तो शपथ ली ही इसके साथ ही पांचवे नंबर पर मध्य प्रदेश के 16.5 साल मुख्यमंत्री रहे शिवराज सिंह चौहान ने भी शपथ ली। इसके साथ ही पीएम मोदी की कैबिनेट में छह पूर्व मुख्यमंत्रियों ने पद और गोपनीयता की शपथ ली है। इसमें हम पार्टी के एक मात्र सांसद और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी, हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के साथ असम के 14वें मुख्यमंत्री रहे सबानंद सोनोवाल ने भी शपथ ली।

मनोहर लाल की जगह नायब सिंह को बनाया गया था सीएम : मनोहर लाल खट्टर को मुख्यमंत्री पद से हटाकर करनाल से चुनाव लड़वाया गया था।

शिवराज सिंह करेंगे कमाल
मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह को लेकर काफी समय से अटकलें लगाई जा रही थी। लेकिन 9 जून की शाम जैसे ही पांचवें नंबर पर शिवराज सिंह का नाम शपथ के लिए एनाउंस किया गया दर्शक दीर्घा तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज गई।

जीतन राम मांझी के नाम रिकॉर्ड
बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने 80 की उम्र में पहली बार लोकसभा चुनाव जीता है और केंद्र में मंत्री बन कर रिकॉर्ड भी बनाया है। मांझी हम पार्टी के संस्थापक हैं।

सवार्नंद सोनोवाल ने ली मोदी कैबिनेट में मंत्री
सवार्नंद सोनोवाल ने मोदी कैबिनेट में मंत्री पद की शपथ ली। सवार्नंद सोनोवाल असम के 14वें मुख्यमंत्री रहे हैं. सोनोवाल को बीजेपी ने डिब्रूगढ़ संसदीय क्षेत्र से मैदान में उतारा था।

कुमारस्वामी कर्नाटक से केंद्र तक
मोदी कैबिनेट में छह पूर्व मुख्यमंत्रियों को शामिल किया गया है।

पूर्व यूपी के सीएम राजनाथ सिंह
पीएम मोदी के बाद राजनाथ सिंह ने ही मोदी 3.0 में सबसे पहले शपथ लेने वाले कैबिनेट मंत्री रहे।

मोदी सरकार में कैबिनेट मंत्री

1. नरेंद्र मोदी	कुमार
2. राजनाथ सिंह	17. राम मोहन नायडू
3. अमित शाह	18. प्रह्लाद जोशी
4. नितिन गडकरी	19. जुएल ओरांव
5. जेपी नड्डा	20. गिरिराज सिंह
6. शिवराज सिंह	21. अश्विनी वैष्णव
7. निर्मला सीतरमण	22. ज्योतिरादित्य सिंधिया
8. एस जयशंकर	23। भूपेंद्र यादव
9. मनोहर लाल खट्टर	24। गजेंद्र सिंह शेखावत
10.एचडी कुमारस्वामी	25. अन्नपूर्णा देवी
11. पीयूष गोयल	26. किरण रिजिजू
12. धर्मेंद्र प्रधान	27. हरदीप पुरी
13. जीतनाराम मांझी	28. मनसुख मांडविया
14. राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह	29. जी किशन रेड्डी
15. सवार्नंद सोनेवाल	30. चिराग पासवान
16. डॉक्टर वीरेंद्र	

मोदी सरकार में राज्य मंत्री

राव इंद्रजीत सिंह	राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार
जितेंद्र सिंह	राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार
अर्जुन राम मेघवल	राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार
प्रतापराव जाधव	राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार
जयंत चौधरी	राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार
जितिन प्रसाद	राज्य मंत्री
श्रीपद यशो नाइक	राज्य मंत्री
पंकज चौधरी	राज्य मंत्री
कृष्णपाल गुर्जर	राज्य मंत्री
रामदास आठवले	राज्य मंत्री
रामनाथ ठाकुर	राज्य मंत्री
नित्यानंद राय	राज्य मंत्री
अनुप्रिय पटेल	राज्य मंत्री
वी सोमन्ना	राज्य मंत्री
चंद्रशेखर पेम्मासानी	राज्य मंत्री
एसपी सिंह बघेल	राज्य मंत्री
शोभा करांदलाजे	राज्य मंत्री
कीर्तिवर्धन सिंह	राज्य मंत्री
बनवारी लाल वर्मा	राज्य मंत्री
शांतनु ठाकुर	राज्य मंत्री
सुरेश गोपी	राज्य मंत्री
एल मुरुगन	राज्य मंत्री
अजय टम्टा	राज्य मंत्री
बंडी संजय कुमार	राज्य मंत्री

केंद्रीय मंत्रिमंडल में छत्तीसगढ़ को प्रतिनिधित्व मिलना गौरवशाली क्षण: सीएम साय

रायपुर। नई दिल्ली के राष्ट्रपति भवन में रविवार को आयोजित प्रधानमंत्री एवं केंद्रीय मंत्रिमंडल के शपथ ग्रहण समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित केंद्रीय मंत्री परिषद के सदस्यों को मंत्री पद की शपथ दिलाई। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर लोकसभा से नवनिर्वाचित सांसद तोखन साहू ने भी केंद्रीय राज्य मंत्री के रूप में पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। जिस पर प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने खुशी जताई है। शपथ ग्रहण कार्यक्रम के बाद श्री साय ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि नवगठित एनडीए सरकार में छत्तीसगढ़ को बिलासपुर लोकसभा सीट से सांसद तोखन साहू को मंत्रिमंडल में स्थान मिला है, यह छत्तीसगढ़ राज्य के लिए गौरवशाली क्षण है।

केंद्र में घटा यूपी का कद, ठाकुर- ब्राम्हण, जाट समेत यूपी के खाते में आए 9 मंत्री

नरेंद्र मोदी ने लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली. इस बार के मंत्रिमंडल में उत्तर प्रदेश के खाते से 9 मंत्रियों ने शपथ ली, इस लिहाज से केंद्र सरकार में यूपी का कद घटता हुआ दिखाई दे रहा है।

मोदी सरकार 2.0 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत उत्तर प्रदेश से 15 मंत्री थे। हालांकि अब मोदी 3.0 में यूपी से 9 मंत्रियों ने शपथ ली, क्योंकि पिछले सरकार के 6 मंत्री चुनाव हार चुके हैं। जिसमें स्मृति ईरानी, कौशल किशोर, भानु प्रताप वेम्रा, संजीव बालियान, साध्वी निरंजन ज्योति और अजय मिश्रा टेनी शामिल हैं। पीएम मोदी के साथ उनके मंत्रिमंडल के सहयोगी नेताओं ने भी शपथ ली। यूपी से इस बार नौ मंत्रियों ने शपथ ली, मोदी 3.0 में यूपी से इस बार राजनाथ सिंह , जितिन प्रसाद, पंकज चौधरी, अनुप्रिया पटेल, जयंत चौधरी, बीएल वर्मा, कीर्ति वर्धन सिंह, एसपी सिंह बघेल और कमलेश पासवान ने मंत्री पद की शपथ ली। इन 9 मंत्रियों में 2 मंत्री ठाकुर समाज से (राजनाथ सिंह और कीर्तिवर्धन सिंह), 1 ब्राह्मण समाज से (जितिन प्रसाद), 2 कुर्मी समाज से (पंकज चौधरी और अनुप्रिया पटेल), 1 जाट समाज से (जयंत चौधरी), 1 लोधी समाज से (बीएल वर्मा) 2 दलित समाज से (एसपी सिंह बघेल और कमलेश पासवान) लोगों को जगह मिली है।

जानें कौन है मोदी 3.0 के यूपी के 9 मंत्री : राजनाथ सिंह भाजपा के बड़े नेताओं में शुमार हैं। मोदी सरकार में पहले कार्यकाल में गृह मंत्री दूसरे कार्यकाल में रक्षा मंत्री रह चुके हैं। तीसरे कार्यकाल में भी उनको बड़ा पोर्टफोलियो मिलने की संभावना है। राजनाथ सिंह लखनऊ से लोकसभा का चुनाव जीत करके गए हैं, हालाँकि उनके चुनाव में जीत के अंतर का नारा 5 लाख पार का नारा दिया गया था जीत के अंतर का लेकिन तकरीबन डेढ़ लाख के करीब से ही राजनाथ सिंह की जीत हो पाई है। राजनाथ सिंह बीजेपी के पुराने नेताओं में से एक हैं, राजनाथ सिंह ने समाजवादी पार्टी से अपने निकटतम प्रतिबंध रविदास मल्होत्रा को 135159 वोटो से हराया था। जितिन प्रसाद 2022 विधानसभा चुनाव के पहले भाजपा में शामिल हुए थे। उसके बाद भाजपा से एमएलसी बनाए गए और मौजूदा योगी आदित्यनाथ की सरकार में पीडब्ल्यूडी मंत्री रहे। इस बार जितिन प्रसाद ने पीलीभीत से चुनाव लड़ा और जीते, जितिन प्रसाद पूर्व में कांग्रेस के बड़े नेता रहे हैं।

सात देशों के राष्ट्र प्रमुखों के साथ मशहूर फिल्मी हस्तियां मौजूद रही

नई दिल्ली: राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के निर्वाचित नेता नरेन्द्र मोदी ने रविवार को लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में सात देशों के राष्ट्र प्रमुखों के साथ मशहूर फिल्मी हस्तियां मौजूद रहीं। इसके अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी भी शपथ ग्रहण समारोह में नजर आए। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिडेट (आरआईएल) के चेयरमैन मुकेश अंबानी, उनके बेटे अनंत अंबानी और अभिनेता शाहरुख खान भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए राष्ट्रपति भवन पहुंचे।

पीएम मोदी की नई सरकार में किस राज्य को कितनी हिस्सेदारी

गुजरात से कितने मंत्री? :
गुजरात से कुल 6 मंत्रियों को जगह मिली है। इनमें भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी शामिल हैं, जो कि प्रदेश से राज्यसभा का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

ओडिशा से कितने मंत्री? :
ओडिशा में भाजपा ने इस बार 21 सीटों में से 20 सीटें जीती हैं। इस तरह से मोदी 3.0 में ओडिशा की हिस्सेदारी 2.13% की रही है।

कर्नाटक को मंत्रिपरिषद में कितनी हिस्सेदारी? : क करीब 6.11 करोड़ जनसंख्या वाले राज्य से 5 नेताओं को मंत्री बनाया गया है।

महाराष्ट्र से कितने नेताओं को मंत्रिपरिषद में मिली जगह? :
राज्य से 6 नेताओं को सरकार में जगह दी गई है।

मध्य प्रदेश से कितने नेता बने मंत्री? : यहां से 5 सांसदों को मंत्री बनाया गया है।

उत्तर प्रदेश से मंत्री बनने वालों की संख्या?
: उत्तर प्रदेश में लोकसभा की 80 सीटें हैं। इस बार यहां बीजेपी की अगुवाई वाले एनडीए की सीटें काफी कम हो गई हैं और वह सिर्फ 36 सीटें जीत सका है। लेकिन, राज्य से सबसे ज्यादा 10 नेताओं को मोदी मंत्रिपरिषद में इस बार जगह दी गई है।

बिहार से कितने सांसदों को मिली मंत्रिपरिषद में जगह? :
राज्य से 8 नेताओं को मौका दिया गया है।

राजस्थान से कितने नेता बने मंत्री? : राज्य से 4 मंत्रियों को मोदी मंत्रिपरिषद में जगह दी गई है। इस तरह से 8.36 करोड़ से अधिक जनसंख्या वाले राज्य को नई सरकार में 2.84% का प्रतिनिधित्व मिला है।

हरियाणा से 3 मंत्री बनाए गए :
हरियाणा में लोकसभा की 10 सीटें हैं और बीजेपी 5 सीटें जीती है। 2.53 करोड़ से ज्यादा आबादी वाले राज्य से 3 नेताओं को मंत्री बनने का मौका मिला है।

केरल से 2 मंत्रियों को मौका :
केरल में लोकसभा की 20 सीटें हैं और बीजेपी वहां पहली बार एकमात्र सीट जीत सकी है। लेकिन, इस राज्य से 2 नेताओं को कैबिनेट में जगह दी गई है।

तेलंगाना से भी 2 नेता बने मंत्री: यहां भी दो सांसदों को मंत्रिपरिषद में जगह दी गई है

तमिलनाडु से कौन बना मंत्री? :
7.2 करोड़ से ज्यादा की जनसंख्या वाले राज्य से 1 नेता को सरकार में जगह दी गई है।

झारखंड से 2 नेताओं को मोदी मंत्रिपरिषद में जगह दी गई है।

छत्तीसगढ़ से 1 नेता को **मिला मंत्री बनने का मौका।**

आंध्र प्रदेश से मोदी ने अपनी सरकार में राज्य से 3 नेताओं को मंत्री बनाया है।

पश्चिम बंगाल से 2 सांसदों को मंत्रिपरिषद में जगह

पंजाब से 1 नेता बने मंत्री

असम से भी 2 नेता बने मंत्री

उत्तराखंड से 1 सांसद मंत्री बनाए गए

दिल्ली को भी मंत्रिपरिषद में मिली हिस्सेदारी

गोवा से 1 मंत्री

जम्मू और कश्मीर से भी 1 मंत्री

अरुणाचल से भी 1 मंत्री

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा पहले हिमाचल प्रदेश का राज्यसभा में प्रतिनिधित्व करते थे। लेकिन, अब वे गुजरात से राज्यसभा सांसद हैं।

ये राज्य रह गए खाली हाथ! :
हिमाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नगालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा का कोई प्रतिनिधित्व नहीं है। इनमें से हिमाचल से बीजेपी ने सभी 4 और त्रिपुरा से दोनों सीटें जीती हैं। इनके अलावा चंडीगढ़, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, दादरा और नागर हवेली और दमन और दीव, लद्दाख, लक्षद्वीप और पुडुचेरी जैसे केंद्र शासित प्रदेशों का भी कोई प्रतिनिधित्व नहीं है।

मोदी 3.0 में शिवराज और नड्डा भी बने सरकार का हिस्सा

नई दिल्ली/समाचार क्यारी
प्रधानमंत्री के तौर पर नरेन्द्र मोदी ने रविवार को तीसरी बार पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। उनके साथ आज 30 सांसदों ने कैबिनेट मंत्री और 5 सांसदों ने राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) के तौर पर शपथ ली। सभी ने हिन्दी में शपथ ली। मोदी 2.0 में शामिल ज्यादातर मंत्री इस बार भी मंत्रिमंडल में शामिल हैं। शीर्ष तीन नेताओं में राजनाथ, अमित शाह और नितिन गडकरी शामिल रहे। इसके बाद भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शपथ ली। नड्डा मोदी 1.0 में मंत्री रह चुके हैं जबकि चौहान पहली बार केन्द्र में मंत्री बनाए गए हैं। इसके बाद निर्मला सीतारमण और डॉ. सुब्रमण्यम जयशंकर ने शपथ ली। दोनों मोदी 2.0 में क्रमशः वित्त एवं विदेश मंत्री रहे हैं। संभावना है कि इस बार भी दोनों को यही पदभार मिले। दोनों ने अंग्रेजी ने शपथ ली।

स्कूली बच्चों को करवाया सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का दौरा

बच्चों ने अपशिष्ट जल के पुनः उपयोग और पर्यावरण संरक्षण के बारे में जाना

हिमालयन अपडेट

बिलासपुरः एनटीपीसी कोल डैम पर्यावरण प्रबंधन समूह ने बीते वीरवार को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला हरनोड़ा के 35 विद्यार्थियों व अध्यापकों के लिए एनटीपीसी टाउनशिप जमथल स्थित सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का दौरा करवाया। इस अवसर पर पवन शर्मा क्षेत्रीय अधिकारी हिमाचल प्रदेश राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड बिलासपुर, जेई एचपीएसपीसीबी अर्पण ठाकुर और वीरेंद्र विशेष रूप से उपस्थित थे। उन्होंने विद्यार्थियों को सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट एसटीपी की कार्यप्रणाली और अपशिष्ट जल के पुनरू उपयोग और पर्यावरण संरक्षण के बारे

में जागरूक किया। उन्होंने बताया कि अपशिष्ट जल एक प्रभावी वैकल्पिक जल आपूर्ति है। अपशिष्ट जल उपचार संयंत्रों से पानी का पुनरू उपयोग पानी की कमी को दूर करने में मदद कर सकता है। यह पानी का एक सुरक्षित और अनुमानित स्रोत सुनिश्चित कर सकता है, साथ ही जल निकायों पर दबाव कम कर सकता है और जलवायु परिवर्तन की संभावना को संतुलित कर सकता है। जलवायु परिवर्तन के कारण पानी की उपलब्धता में परिवर्तन हो रहा है, जिससे अधिक क्षेत्रों में इसकी कमी हो रही है। ग्लोबल वार्मिंग ने पहले से ही पानी की कमी वाले क्षेत्रों में पानी की कमी पैदा कर दी है और कृषि सूखे का खतरा बढ़ा दिया है, जिससे फसल की पैदावार प्रभावित हुई है, और पारिस्थितिकी तंत्र की भेद्यता बढ़ गई है। उचित उपचार के बाद पानी का पुनः उपयोग करने से इसका जीवन चक्र बढ़ जाता है, जिससे जल संसाधनों का संरक्षण होता है। पुनः प्राप्त पानी में नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटेशियम जैसे पोषक तत्व होते हैं, जो आमतौर पर उर्वरकों में पाए जाते हैं। यदि पुनः प्राप्त पानी का उपयोग पौधों पर किया जाता है, तो पौधे पुनः प्राप्त पानी में पोषक तत्वों का उपयोग कर सकते हैं।

09 जुलाई को होंगे साक्षात्कार

हिमालयन अपडेट

शिमलाः महिला एवं बाल विकास हि.प्र. के अंतर्गत बाल विकास परियोजना शिमला शहरी के अधीनस्थ संचालित किये जा रहे आंगनवाडी केन्द्रों में आंगनवाड़ी कार्यकताओं/सहायिकाओं के विभिन्न रिक्त पदों को भरने हेतु साक्षात्कार लिये जाने हैं जिनके लिए 09 जुलाई 2024 को साक्षात्कार उपमंडल दण्डाधिकारी शिमला शहरी के कार्यालय में प्रातः 11 बजे आयोजित किया जाने हैं। बाल विकास परियोजना अधिकारी शिमला शहरी ने जानकारी देते हुए बताया कि ढली-2 केंद्र और इंजन घर केंद्र में कार्यकर्ता तथा कौमली बैंक, लद्दाखी मोहल्ला, विकासनगर-2 और अप्पर कैथू केंद्रों में सहायिका के पद रिक्त हैं। उन्होंने बताया कि जिन अभ्यार्थियों ने पहले ही कार्यालय में आवेदन किया है वे सभी अभ्यार्थी साक्षात्कार के लिये मान्य है तथा वाक-इन-इंटरव्यू होने के कारण साक्षात्कार के दिन भी आवेदन पत्र स्वीकार किये जायेंगे तथा अभ्यर्थी साक्षात्कार में भाग ले सकेंगें। इन पदों हेतु केवल वही महिला उम्मीदवार ही पात्र है जो उपरोक्त रिक्तियों हेतु केवल सम्बन्धित आंगनवाडी केन्द्र के लाभान्वित क्षेत्र में 1 जनवरी 2024 को सामान्य रूप से रह रहे परिवार से सम्बन्ध रखती हो। इसके अतिरिक्त, उम्मीदवार की उम्र 18 वर्ष से 35 वर्ष के बीच होनी चाहिए।

'उद्योग मंत्री और विधानसभा उपाध्यक्ष त्यागपत्र दें'

मेलाराम शर्मा ने कहा कि हर्षवर्धन चौहान को हाटीयों को चुनौती देना भी महंगा पड़ा

हिमालयन अपडेट

नाहन : सिरमौर जिला भाजपा प्रवक्ता मेलाराम शर्मा ने उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान और विधानसभा उपाध्यक्ष विनय कुमार के चुनाव क्षेत्र में कांग्रेस की हार को शर्मनाक करार दिया है। उन्होंने कहा कि रेणुका और शिलाई की जनता ने उद्योग मंत्री और विधानसभा उपाध्यक्ष सहित प्रदेश की सुक्खू सरकार को नकार दिया है। जिला भाजपा प्रवक्ता ने बताया कि शिमला संसदीय चुनाव क्षेत्र में 17 विधानसभा क्षेत्रों में से 15 क्षेत्रों में

कांग्रेस सरकार को हार का मुह देखना पड़ा। उन्होंने कहा कि पिछले डेढ़ साल के आहकार्यकाल के दौरान सुख सरकार ने विकास के नाम पर इन क्षेत्रों में कुछ भी नहीं किया । मेलाराम शर्मा ने कहा कि सुक्खू सरकार प्रदेश की चारों लोकसभा सीटें हारने के बाद जनता का विश्वास खो चुकी है और उन्हें अब सत्ता में रहने का कोई अधिकार नहीं है। जिला भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि इस बार कांग्रेसी नेताओं के झूठ महिलाओं और युवाओं को ठगने में नाकाम रहेए इसलिए चुनाव हार गए। उन्होंने कहा की उद्योग मंत्री और विधानसभा उपाध्यक्ष रेणुका और शिलाई चुनाव क्षेत्रों में पिछले डेढ़ वर्षों के दौरान सरकार की कोई एक उपलब्धि नहीं बता सकते क्योंकि उनकी सरकार ने डेट वर्ष के दौरान कोई काम किया ही नहीं और इसीलिए क्षेत्र की जनता ने उन्हें हरा दिया। मेलाराम शर्मा ने कहा कि हर्षवर्धन चौहान को हाटीयों को चुनौती देना भी महंगा पड़ा। उन्होंने हर्षवर्धन चौहान और विनय कुमार को चुनौती दी कि भविष्य में हाटीयों के साथ पंगा लेना बंद करें वरना अगले विधानसभा चुनाव में भी उन्हें इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा।

एसमएल-03

मंडी के सुनीव सीख रहे समुद्री चुनौतियों का सामना करने के गुर

हिमालयन अपडेट

मंडीः जैसे-जैसे समुद्री चुनौतियाँ विकसित होती जा रही हैं, मजबूत अंतर्राष्ट्रीय साझेदारी की आवश्यकता तेजी से महत्वपूर्ण होती जा रही है। एक साथ काम करके, भारतीय और जापान तटरक्षक खोज और बचाव अभियान, समुद्री कानून प्रवर्तन और पर्यावरण संरक्षण जैसी आम चुनौतियों का बेहतर ढंग से समाधान कर सकते हैं। जापान के क्योर स्थित तटरक्षक अकादमी मे चली चार दिवसीय कार्यशाला में मंडी के सुनीव मंढोत्रा समेत देश के चार तटरक्षक समुद्री चुनौतियों से निपटने के गुर सीख रहे हैं। मंडी से संबंध रखने

वाले किसी तटरक्षक के लिए यह एक बड़ा अवसर माना जा रहा है। मंडी शहर के साथ लगते जरल मलोरी के सेवानिवृत पुलिस अधिकारी ब्रहमदास का बेटा सुनीव मंढोत्रा इन दिनों तमिलनाडू में श्रीलंका की सीमा पर तटरक्षक अकादमी में कमांडेट के तौर पर कार्यरत हैं ।

बड़ोल देवी मंदिर में श्रीमद भागवत कथा का शुभारंभ

हिमालयन अपडेट

बिलासपुर : उपमंडल झंडूता के ग्राम पंचायत बड़ोल देवी के माता बड़ोल देवी मंदिर परिसर में सात दिवसीय श्री मद भागवत महापुराण कथा ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ भव्य कलश यात्राए भागवत पुराण स्वागत, वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ किया गया। श्रीमद भागवत कथा का वर्णन पंडित पंडित सोनू शर्मा द्वारा किया जाएगा। प्रबंधक कमेटी बड़ोल देवी के अध्यक्ष राम पाल व पंडित दिनेश शर्मा ने बताया कि इस कथा का आयोजन समस्त प्रबंधक कमेटी बड़ोल देवी जी द्वारा 14 जून तक किया जाएगा। 14 जून को भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

परेशानी का कारण बनी टाईलों वाली सडक से अब नाहन शहर को मिलेगी मुक्ति

हिमालयन अपडेट

नाहन : नाहन की सडकों पर परेशानी का सबक बनी टाइलों से अब शहर को मुक्ति मिल जाएगी। शहर में गुन्नू घाट से लेकर बस स्टैंड तक टाईलों को हटाकर तारकोल वाली सडक बनाने का कार्य शुरू कर दिया गया है।गौर हो कि शहर को गुन्नू घाट से लेकर दिल्ली गेट तक जोड? वाली चक्कर सडक पर लगाई गई टाइल्स सडक दुर्घटना का बड़ा कारण साबित हो रही थी। यही नहीं लगाई गई टाइल सही तरीके से न लगाए जाने के कारण गड्ढों में तब्दील हो चुकी थी। शहर की प्रबुद्ध जनता के द्वारा इस समस्या की बाबत बार.बार प्रशासन को अवगत भी कराया गया।बावजूद इसके तारकोल वाली सडक ना बनाकर पहले से लगी टाइलों को ही ठीक

करने का कार्य कई बार किया गया। शहर के लोगों ने समस्या से निजात पाने को लेकर स्थानीय विधायक अजय सोलंकी से गुहार लगाई। विधायक अजय सोलंकी के द्वारा लोगों की समस्या को ध्यान में रखते हुए तारकोल युक्त सडक बनाने के लिए डेढ़ करोड़ रुपए का बजट एमएलए प्रायोरिटी पर स्वीकृत करवाया गया।लोक निर्माण विभाग नाहन मंडल के द्वारा आज शुक्रवार से इस कार्यक्रम को शुरू भी कर दिया गया है। अधिशासी अभियंता आलोक जनवेजा ने खबर की पुष्टि करते हुए बताया शुक्रवार से जारी किए गए टायरिंग के कार्य को एक सप्ताह में कंप्लीट कर लिया जाएगा। उन्होंने लोगों से भी अपील करते हुए कहा कि सडक पर टाइलें हटाकर बेहतर तरीके से डामर युक्त सडक बनाई जा रही है।ऐसे में अधिशासी अभियंता के द्वारा इस रूट पर ट्रैफिक व्यवस्था बनाए रखने को लेकर सहयोग की मांग भी की है। वहीं विधायक अजय सोलंकी ने बताया कि आचार संहिता खत्म हो चुकी है। उन्होंने बताया कि शहर सहित पूरे विधानसभा क्षेत्र में रुके हुए तमाम विकास कार्यों को अब तेजी से गति दी जाएगी। उन्होंने कहा कि बनोग से सब्जी मंडी तक अल्टरनेट बाईपास की डीपीआर शिमला भेजी जा चुकी है। उन्होंने कहा कि जल्द ही 11 करोड़ से अधिक के एस्टीमेट की डीपीआर के स्वीकृत होते ही टेंडर लगाने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।

वहीं अधिशासी अभियंता आलोक ने बताया कि इस अल्टरनेट रोड में रोड़ां वाली से सब्जी मंडी तक नई सडक बनाई जाएगी।

मानसून से पहले ही सिरमौर में 14 जून को होगी मेगा मॉक ड्रिल : सुमित

हिमालयन अपडेट

नाहन : उपायुक्त एवं अध्यक्ष जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण सुमित खिमटा ने बताया कि 14 जून को 8वें राज्य स्तरीय मेगा मॉक ड्रिल का आयोजन सिरमौर जिला में किया जायेगा। उन्होंने कहा कि इस मॉक ड्रिल में सभी संबंधित विभाग चिन्हित स्थलों पर फील्ड स्तर पर होने वाले अभ्यास में भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि आगामी मानसून के दृष्टिगत फलेश फलड और लैंडस्लाइड की संभावना को देखते हुए यह मॉक ड्रिल की जा रही है। सुमित खिमटा ने बताया कि आजवीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से 14 जून

को होने वाली मेगा मॉक ड्रिल के सम्बन्ध में प्रथम चरण में ओरियंटेशन और कॉर्डिनेशन की प्रदेश स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया जिसमें सिरमौर जिला के सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि इस ओरिएंटेशन और कॉर्डिनेशन बैठक में मेगा मॉक ड्रिल के आयोजन के सम्बध में विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। सुमित खिमटा ने कहा कि मेगा मॉक ड्रिल के दूसरे चरण में 12 जून को टेबल टॉप एक्सरसाइज आयोजित की जायेगी जिसमें सभी सम्बन्धित विभाग अपनी-अपनी तैयारियों के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान करेंगे। उपायुक्त ने सभी संबंधित विभागों से 14 जून को होने वाली मेगा मॉक ड्रिल की तैयारी समय पर पूरा करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि सभी सम्बन्धित विभाग अपने-अपने विभागों से संबंधित तैयारियों को समय पर मुकम्मल करें और आपदा प्रबंधन योजना को अंतिम रूप प्रदान करें। जिला राजस्व अधिकारी सिरमौर चेतन चौहान ने इस अवसर पर आपदा प्रबंधन के तहत 14 जून को होने वाली मेगा मॉक ड्रिल के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की।

पांवटा साहिब में पुलिस ने चरस सहित पकड़ा नशा तस्कर

हिमालयन अपडेट

नाहन : जिला सिरमौर के उपमंडल पांवटा साहिब के भंगानी में पुलिस ने चरस सहित एक व्यक्ति को हिरासत में लिया है। आरोपी की पहचान कांशी राम पुत्र रंगी राम निवासी अप्पर भंगानी, तहसील पांवटा साहिब के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगामी कार्यवाही शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक, पुलिस की टीम सिंघपुरा के पास नाकाबंदी कर रही थी। इस दौरान पुलिस ने कांशी राम को शक के आधार पर जांच के लिए रुकवाया। पुलिस को देखकर व्यक्ति घबरा गया।जब शक के आधार पर उसकी तलाशी ली गई तो उसके कब्जे से 76.76 ग्राम चरस बरामद हुई। लिहाजा पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

हिमालयन अपडेट
himalayanupdate@gmail.com

उपायुक्त ने जलवायु परिवर्तन एवं मानव स्वास्थ्य को लेकर जिला कार्य योजना की बैठक की

हिमालयन अपडेट

कुल्लू :उपायुक्त कुल्लू तोरुल एस रवीश ने आज जलवायु परिवर्तन एवं मानव स्वास्थ्य को लेकर जिला कार्य योजना की बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने सभी सम्बद्ध विभागों को इससे सम्बंधित जागरूकता एवं प्रचार प्रसार एवं इससे निपटने के लिए विभिन्न स्तरों पर प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए । उपायुक्त ने सूचना, शिक्षा एवं संचार के अन्तरगत पचायती राज संस्थानों, जिला शिक्षक प्रशिकण संसथान तथा जिला के स्कूलों एवं आपदा मित्रों को भी इस अभियान

से जोड? के निर्देश दिए ताकि ऐसी स्थिति से निपटने के तरीकों को अधिक से अधिक लोगों तक पहुइचाया जा सके। जिला कार्यक्रम अधिकारी डॉ सुरेश ने इस अवसर पर एक विस्तृत पीपीटी प्रस्तुति देते हुए कहा की हीट वेव की स्थिति शरीर की कार्य प्रणाली पर प्रभाव डालती हैं, जिससे मृत्यु भी हो सकती है। इसके प्रभाव को कम करने के लिए प्रचार माध्यमों से हीट वेव ध लू के सम्बन्ध में जारी की जा रही चेतावनी पर ध्यान दें। हीट स्ट्रोक, हीट रैश, हीट क्रैम्प के लक्षणों जैसे कमजोरी, चक्कर आना,सिरदर्द, उबकाई, पसीना आना, मूर्छा आदि को पहचानें। यदि मूर्छा या बीमारी अनुभव करते है तो तुरंत चिकित्सीय सलाह लें। हाइड्रेटेड रहें शरीर में जल की कमी से बचाव अधिक से अधिक पानी पियें। यात्रा करते समय पीने का पानी अपने साथ अवश्य ले जाएं। ओ.आर.एस., घर में बने हुये पेय पदार्थ जैसे लस्सी, चावल का पानी माड़, नींबू पानी, छाछ आदि का उपयोग करें, जिससे कि शरीर में पानी की कमी की भरपाई हो सके। जल की अधिक मात्रा वाले मौसमी फल एवं सब्जियों का प्रयोग करें यथा तरबूज खरबूज संतरे अंगूर अनानास खीरा ककड़ी, सलाद पत्ता लेट्यूस। शरीर को ढक कर रखें हल्के रंग के पसीना शोषित करने वाले हल्के वस्त्र पहनें। धूप के चश्मे, छाता, टोपी, व चप्पल का प्रयोग करें अगर आप खुले में कार्य करते है तो सिर,चेहरा, हाथ पैरों को गीले कपड़े से ढके रहें तथा छाते का प्रयोग करें। यथासंभव अधिक से अधिक अवधि के लिए घर कार्यालय इत्यादि के अंदर रहें । उचित वायु संचरण वाले शीतल स्थानों पर रहें सूर्य की सीधी रोशनी तथा उष्ण हवा को रोकने हेतु उचित प्रबंध करें।

हिमाचल प्रदेश में गर्मी से निजात पाने के लिए भारी संख्या में पर्यटक कर रहे पहाड़ों का रुख

हिमालयन अपडेट

शिमला : देश के मैदानी क्षेत्रों में भीषण गर्मी से निजात पाने के लिए बड़ी संख्या में सैलानी पहाड़ों का रुख कर रहे हैं। मैदानी राज्यों के स्कूलों में गर्मियों की छुटियां होने के बाद हिमाचल प्रदेश के पर्यटन स्थल सैलानियों से पैक हो गए हैं। शिमला, मनाली, कसौली, चायल, लाहौल स्पीति और किन्नौर सैलानियों से गुलजार हैं। वहीं विदेशी पर्यटकों की संख्या में भी बढ़ोतरी हुई है। होटलों में ऑक्यूपेंसी 80 से 90 फीसदी तक चल रही है। शिमला के होटलों में वीकेंड के अलावा हफ्ते के अन्य दिनों में भी कमरों की बुकिंग में भारी बढ़ोतरी हुई है। हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास निगम एचपीटीडीसी के होटलों में वीकेंड पर बुकिंग 90 फीसदी के करीब रह रही है। एचपीटीडीसी क होटलों का नवीकरण कर निजी होटलों की तर्ज पर बदलाव किए जा रहे है। इन सभी कार्यों की वजह से एचपीटीडीसी के होटलों की बुकिंग में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी।

नकड़ोह में कुलजा देवी का किया भंडारा

हिमालयन अपडेट

ऊना: गगरेट विधानसभा क्षेत्र के तहत कैलाश नगर (नकड़ोह) गांव में विश्वामित्र परिवार की तरफ से हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी अपनी कुलजा माता का वार्षिक भंडारे का आयोजन किया गया। इस मौके पर पंडित संदीप शर्मा की ओर से वैदिक वेद मंत्रों के साथ नवग्रह पूजन और हवन का आयोजन किया गया। महिलाओं द्वारा अपने कुलजा देवी की पूजा कर अपने कुल व गांव की सुख शांति की कामना की गई। हवन उपरांत झंडा चढ़ाने की रस्म अदा की गई। इस मौके पर विशाल भंडारे का आयोजन भी किया गया। इस मौके पर पं विशवाधर, अश्वनी शर्मा, त्रिलोक शर्मा, हरिकृष्ण, कार्तिकेय शर्मा, अनमोल शर्मा, आर्यन शर्मा, मनीष रत्न भारद्वाज, अनीता शर्मा, रीतू शर्मा व सोनिया शर्मा आदि भी मौजूद रहे।

ऑल इंडिया आर्टिस्ट एसोसिएशन शिमला में होगा 69वां संस्करण

हिमालयन अपडेट

शिमला: हिमाचल प्रदेश, थिएटर, नाटक, संगीत और नृत्य के रूप में कला और साहित्य को बढ़ावा देने पर काम करने वाला भारत का सबसे पुराना संगठन एआईएए ऑल इंडिया आर्टिस्ट एसोसिएशन शिमला अपने आगामी 69वें संस्करण के लिए शिमला वापस आ गया है।

तक काली बाड़ी ऑडिटोरियम और गेयटी थिएटर में वार्षिक नाटक और नृत्य प्रतियोगिता और महोत्सव। इस बार शिमला में सुदर्शन गौड़ नृत्य महोत्सव-2024 समग्र कार्यक्रम में और अधिक आकर्षण जोड़ देगा। देश की सबसे पसंदीदा और प्रशंसित नाटक और नृत्य प्रतियोगिता के 69वें संस्करण के साथ एक बार फिर

यहां आना बहुत खुशी की बात है, जिसका हमारे प्रतिभाशाली कलाकार बेसब्री से इंतजार करते हैं। इस वर्ष एआईएए, शिमला में 20 राज्यों से लगभग 800 कलाकार आएंगे, जो इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में भाग लेंगे और अपनी क्षमता का प्रदर्शन करेंगे। एआईएए शिमला के अध्यक्ष श्री रोहिताश्व गौड़ ने कहाए हम हमेशा की तरह इस मेगा इवेंट को बेहद खुशी और उत्साह के साथ आयोजित करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।एआईएए की उपाध्यक्ष और मेगा इवेंट की मुख्य आयोजक डॉ रेखा गौर ने कहा कि नाटक में प्रतिस्पर्धा करने के लिए 24 टीमें हैं, जबकि भरतनाट्यम, कथक, ओडिसी सहित शास्त्रीय, अर्ध-शास्त्रीय, लोक और मॉडेम श्रेणियों में 260 नृत्य प्रस्तुतियां होंगी। कथकली, मोहिनी-अट्टम, भांगड़ा, लावणी, गरबा, मणिपुरी लोक, समकालीन, बॉलीवुड, सालसा आदि। नाटक खंड में सामाजिक, कॉमेडी, प्रयोग, बच्चे आदि शामिल हैं। इसके अलावा, श्री बलराज साहनी राष्ट्रीय पुरस्कार, श्री गोपी कृष्ण राष्ट्रीय पुरस्कार, श्री सुदर्शन गौर लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड, इंडियन हीरोज अवार्ड और अन्य श्रेणियों में सम्मान समारोह होंगे यह अभिनेता और निर्देशक सुश्री भारती शर्मा जीए प्रवीण चंदला जी, पंजाबी नाटक लेखक श्री पाली भूपिंदर सिंह, कुचिपुड़ी नृत्य युगल डॉ पसुमथी विल और डॉभारती विल, कथक सहित प्रसिद्ध थिएटर हस्तियों को सम्मानित करने का भी एक अच्छा समय होगा। प्रतिपादक सुभाष चन्द्र। समाज में उनके बहुमूल्य योगदान के लिए कई जाने-माने समर्पित सामाजिक कार्यकताओं/एनजीओ को हमारी इंडियन हीरोज अवार्ड श्रेणी के तहत सम्मानित किया जाएगा।

हथियार एआईएए शिमला इस वर्ष इस वार्षिक मेगा कार्यक्रम के अतिरिक्त कला और रंगमंच पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन की शुरूआत कर रहा है, जहां आमंत्रित गणमान्य व्यक्ति कला के महत्व और मूल्यों पर प्रकाश डालेंगे और अन्य कलाकारों को इसके बारे में बताने के लिए अपनी जीवन यात्रा और अनुभवों को भी साझा करेंगे।

कार्यों का निर्वहन सुनिश्चित बनाएं फील्ड कर्मचारी

ग्रामीण विकास योजनाओं की समीक्षा को बैठक

हिमालयन अपडेट

चंबा: विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने कहा कि विकासखंड भटियात के तहत महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी अधिनियम के तहत वर्ष 2023.24 के दौरान 2403 विभिन्न विकास कार्यों पर 7439.31 लाख रूपयों की राशि व्यय की जा रही है। साथ में उन्होंने यह भी कहा कि एसडीआरएफ के तहत राज्य सरकार द्वारा उपमंडल भटियात में 127 आवास मामलों को स्वीकृति प्रदान की गई है। विधानसभा अध्यक्ष ग्रामीण विकास योजनाओं की समीक्षा को लेकर चुवाड़ी में आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा एसडीआरएफ के तहत उपमंडल भटियात में 127 आवास मामलों को स्वीकृति प्रदान की गई है। पात्र परिवारों को 70 आवास मामलों में 63 लाख 98 हजार रुपए की राशि पहली एदूसरी और तीसरी किस्त के रूप में उपलब्ध करवा दी गई है। इसके अतिरिक्त राज्य सरकार द्वारा 57 आवास मामलों के लिए 3 करोड़ 99 लाख की राशि को भी स्वीकृति प्रदान की गई है।

कुलदीप सिंह पठानिया ने कहा कि चूंकि ग्रामीण विकास विभाग द्वारा कार्यान्वित की जाने वाली विभिन्न योजनाओं की ग्रामीण विकास के नजरिए से महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। ऐसे में लोगों को सभी योजनाओं का भरपूर लाभ मिल सके इसके लिए विशेष कर विभाग के फील्ड कर्मचारियों द्वारा निष्ठा एवं तत्परता के साथ अपने कार्यों का निर्वहन करना सुनिश्चित बनाया जाना चाहिए।कुलदीप सिंह पठानिया ने पंचायत स्तर पर जारी विभिन्न विकास कार्य की समीक्षा करते हुए कार्यों में गुणवत्ता रखने के निर्देश दिए। साथ में उन्होंने यह निर्देश भी दिए कि कार्यों के लंबित रहने की अवस्था में संबंधित कर्मचारियों के प्रति कार्रवाई भी सुनिश्चित बनाई जाएगी। वीकेवीएनवाई के तहत स्वीकृत कार्यों की समीक्षा के दौरान उन्होंने लंबित कार्य को जल्द शुरू करने को कहा। उन्होंने कहा कि कम बजट वाली योजनाओं को अन्य योजनाओं के साथ कन्वर्ज करके पुरा किया जाए। बैठक में कार्यवाही का संचालन करते हुए खंड विकास अधिकारी मनीष कुमार ने विभिन्न योजनाओं के तहत प्रगति का व्योरा रखा। बैठक में एसडीएम भटियात पारस अग्रवाल, थाना प्रभारी रमन कुमार सहित विकासखंड भटियात से संबंधित ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

समाजसेवियों ने त्यार में लगाई ठंडे पानी की लगाई छबील

हिमालयन अपडेट

ऊना: उप तहसील जोल की ग्राम पंचायत कठोह के गांव त्यार में शनिवार को समाजसेवियों ने ठंडे मीठे पानी की छबील लगाई गई। जिसमें स्थानीय युवाओं ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। सडक पर दिन भर वाहन चालकों व राहगीरों को रोक-रोककर मीठा जल पिलाया। समाजसेवी अशोक कपिला ने बताया कि मौसम में भयंकर गर्मी होने की वजह से ठंडे व मीठे जल की छबील लगाकर राहगीरों को ठंडा पानी पिलाकर गर्मी से राहत दिलाने का प्रयास किया। उन्होंने बताया कि सुबह 10 बजे से सांय 4 बजे तक राहगीरों को जल पिलाया गया। इस अवसर पर अशोक कपिला, हरीश, मानवी, सुरेंद्र, विपिन व ओम प्रकाश आदि ने सहयोग किया।

14 जून को मंडी जिला में 5 स्थानों पर होगी मॉक ड्रिल: डॉ मदन कुमार

हिमालयन अपडेट

मंडी :अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी मंडी डॉ मदन कुमार ने बताया कि प्रदेशव्यापी 8वें मॉक ड्रिल के अर्न्तगत मंडी जिला में पांच स्थानों पर 14 जून को मॉक ड्रिल होगी। मॉक ड्रिल में पुलिस, अग्निशमन सेवा, वन, स्वास्थ्य विभाग और स्थानीय प्रशासन शामिल रहेंगे।ड्रिल का मुख्य उद्देश्य भूस्खलन और फ्लैश फ्लड की स्थिति में बचाव के लिए सभी विभागों के बीच समन्वय को सुनिश्चित करना और उनकी तत्परता को परखना है। इस अभ्यास के दौरान विभिन्न प्रकार के आपातकालीन स्थितियों का पूर्वाभ्यास किया जाएगा

ताकि वास्तविक आपदा की स्थिति में तेजी से और प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया दी जा सके।उन्होंने बताया कि मॉक ड्रिल के लिए प्रथम चरण की अभिविन्यास एवं समन्वय समिति की बैठक हो गई है। अब दूसरे चरण में 12 जून को टेबल टॉप एक्सरसाइज का आयोजन किया जाएगा। जिसमें आपदा की स्थिति में की गई तैयारियों का मूल्यांकन होगा। जबकि तीसरे चरण में 14 जून को मॉक ड्रिल का आयोजन किया जाएगा।

डॉ मदन कुमार ने बताया कि मॉक ड्रिल में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा जिला के लिए तैयार की गई आपदा प्रबंधन योजना तैयार की परख की जाएगी। उन्होंने बताया कि सभी विभागों की अपनी.अपनी आपदा प्रबंधन योजनाएं हैं। उनकी भी मॉक ड्रिल में परख होगी। उन्होंने बताया कि आपदा प्रबंधन योजना के अंतर्गत हर विभागीय धिकारी-कर्मचारी की जिम्मेदारी पहले से निर्धारित है।

वन संपदा की तस्करी पर वन विभाग की बड़ी कामयाबी

हिमालयन अपडेट

ऊना:वन संपदा की तरस्करी पर वन विभाग ऊना ने कार्रवाई करते हुए बड़ी कामयाबी हासिल की है। तस्करी मामले में वन विभाग टीम ने अलग-अलग मामलों में 12 वाहनों जब्त किया है। इनमें से दो वाहन बिरोजे के अवैध निर्यात मामले में जब्त किए गए। वाहनों में कुल 259 टीन बरोजे के पाए गए हैं। सभी वाहनों को कब्जे में लेकर वन विभाग ने आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है। वन विभाग द्वारा तस्करों को पकड? के लिए वन मंडल अधिकारी सुशील राणा के नेतृत्व में विभिन्न टीमों का गठन किया गया है। गठित टीमों द्वारा लगातार अलग अलग जगहों पर

नाकेबंदी कर कार्यवाही की जा रही है। इस बीच शुक्रवार रात से लेकर शनिवार सुबह को वन विभाग टीमों ने विभिन्न जगहों पर नाकेबंदी कर तस्करी करने वाले 12 वाहनों को जब्त किया है। जानकारी के अनुसार भरवाईं टीम ने किशोरी लाल के नेतृत्व में बिरोजे के अवैध निर्यात मामले में 2 वाहनों को जब्त किया गया। एक वाहन से टीम को 151 व दूसरे से 108 टीन बरामद हुए। वहीं दूसरे मामले में रेंज स्टाफ अंब की टीम ने संघनई में आईएफएस प्रोवेशन कान्हा राम के नेतृत्व में खैर के अवैध निर्यात मामले में1 वाहन को जब्त किया गया है। इसके अलावा गगरेट क्षेत्र में हमीरपुर, कांगड़ा व नादौन से आ रही 9 वाहन को चौडी पत्ती के पेड़ों की वन संपदा के अवैध निर्यात मामले में जब्त किए गए हैं। विभाग द्वारा सभी वाहनों को कब्जे में लेकर नियमानुसार आगामी कार्यवाही अमल में लाइ जा रही है।

हिमालयन अपडेट
himalayanupdate@gmail.com

राज्य सरकार द्वारा अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक विंजेताओं के लिए पुरस्कार राशि में उल्लेखनीय वृद्धि

हिमालयन अपडेट

शिमलाः मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने गत दिवस कहा कि राज्य सरकार ने विभिन्न अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक विजेताओं के लिए पुरस्कार राशि में उल्लेखनीय वृद्धि की है। उन्होंने कहा कि ओलम्पिक, शीतकालीन ओलम्पिक तथा पैरालम्पिक प्रतियोगिताओं में स्वर्ण पदक विजेताओं के लिए पुरस्कार राशि 3 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 5 करोड़ रुपये कर दी गई है। इसी प्रकार रजत पदक विजेताओं को अब 2 करोड़ रुपये के स्थान पर 3 करोड़ रुपये तथा कांस्य पदक विजेताओं को 1 करोड़ रुपये के स्थान पर 2

करोड़ रुपये दिए जाएंगे।मुख्यमंत्री ने कहा कि एशियाई खेलों तथा पैरा एशियाई खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाडि?ों के लिए स्वर्ण पदक विजेताओं की पुरस्कार राशि में उल्लेखनीय वृद्धि करते हुए इसे 50 लाख रुपये से बढ़ाकर 4 करोड़ रुपये कर दिया गया है। रजत पदक विजेताओं को अब 30 लाख रुपये के स्थान पर 2.50 करोड़ रुपये तथा कांस्य पदक विजेताओं को 20 लाख रुपये के स्थान पर 1.50 करोड़ रुपये दिए जाएंगे। इसके अतिरिक्त राष्ट्र मण्डल खेलों तथा पैरा राष्ट्र मण्डल खेलों में गौरव हासिल करने वाले खिलाडियों को भी संशोधित पुरस्कार योजना का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने खेलकूद गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दशार्ते हुए 50 लाख रुपये के स्थान पर 3 करोड़ रुपयेए रजत पदक विजेताओं को 30 लाख रुपये के स्थान पर 2 करोड़ रुपये और कांस्य पदक विजेताओं को 20 लाख रुपये की जगह 1 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि दी है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की नई खेल नीति का उद्देश्य खेल उत्कृष्टता को बढ़ावा देना और प्रोत्साहित करना है। पुरस्कार राशि में यह वृद्धि राज्य सरकार की खेलों को बढ़ावा देने और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर राज्य का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत को प्रोत्साहित करने की प्रतिबद्धता को दशार्ती है। उन्होंने कहा कि इस पहल से न केवल खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ेगा बल्कि खेलों में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को और अधिक अवसर प्राप्त होंगे जो राज्य में खेलों के समग्र विकास में योगदान देगा।

कौशल्या नदी जलस्तर में कमी से परवाणू में पेयजल संकट

हिमालयन अपडेट

परवाणू : औद्योगिक नगरी परवाणू में पेयजल संकट गहराता जा रहा है। पिछले कई दिनों से पर्याप्त बारिश न होने से परवाणू के एकमात्र पेयजल स्त्रोत कौशल्या नदी में पानी सूखता जा रहा है। पहले परवाणू में एक दिन छोड़ कर पानी दिया जा रहा था, लेकिन पेयजल का स्तर लगातार गिरते रहने से अब लोगो को चौथे दिन पेयजल नसीब होगा। यदि आने वाले कुछ दिनों में पर्याप्त बारिश न हुई तो लोगो को पेयजल के लिए तरसना पड़ सकता है। बता दे की परवाणू में हिमुडा द्वारा पेयजल की सप्लाई की जाती है। परवाणू के निकटवर्ती कामली गाँव के किनारे से गुजर रही कौशल्या नदी से पानी लिफ्ट करके परवाणू में पेयजल सप्लाई की जाती है। पिछले कुछ दिनों से पर्याप्त बारिश न होने से जरुरत के मुताबिक पेयजल नहीं मिल पा रहा है। परवाणू को अभी अपनी जरुरत के मुकाबले महज 25 प्रतिशत पानी मिल रहा है।

महिला सुरक्षा कर्मी के खिलाफ हो कड़ी कार्रवाईः राजबली

हिमालयन अपडेट

मंडी : मंडी लोकसभा की एमपी कंगना रनौत के साथ चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर जो भी हुआ उसकी कड़े शब्दों में निंदा करता हूं । हिमाचल प्रदेश भारतीय जनता पार्टीअल्पसंख्यक मोर्चा के पूर्व अध्यक्ष मोहम्मद राजबली ने यह शब्द कहे। उन्होंने कहा कि जिस सुरक्षा कर्मी ने ऐसी घटिया हरकत की है इसके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। जो कांग्रेस के लोग सोशल मीडिया पर इस सुरक्षा महिला कर्मी के फेबर में सोशल मीडिया अकाउंट में लिख रहे हैं वह लोग जवाब दें कि किस आधार पर अपने प्रदेश के नेताओं के खिलाफ

इस तरह के अपराध पर दूसरे स्टेट के लोगों के साथ खड़े होकर उनकी भाषा बोल रहे हैं। आने वाले दिनों में इन लोगों के साथ भी ऐसा हुआ तो यह लोग क्या बोलेंगे। वर्दी की मयार्दा बनी रहनी चाहिए एजब वर्दी मिलती है तो बहुत जिम्मेदारी के साथ मिलती हैए इसकी गरिमा को बनायें रखें ।

सिक्योरिटी गार्ड के 100 पदों हेतु 24 व 26 जून को होगा आयोजित रोजगार शिविर

हिमालयन अपडेट

नाहन : मैसर्ज सिस एसआईएस इंडिया लिमटिड बिलासपुर प्रदेशभर. में सिक्योरिटी गार्ड के 100 पदों को भरने जा रहा है। जिला रोजगार अधिकारी सिरमौर जगदीश कुमार ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिला रोजगार कार्यालय नाहन में 24 जून को, उपरोजगार कार्यालय पांवटा साहिब में 25 जून व उप रोजगार कार्यालय सराहां में 26 जून को प्रातः 10 बजे से भर्ती शिविरों का आयोजन किया जाएगा।उन्होंने बताया कि सुरक्षा जवान के पद के लिए न्यूनतम वेतन 16500 रुपए से 19500 रुपए व सुपरवाइजर पद के

लिए 18000 रूपए से 22000 रुपए दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि अभ्यर्थियों की आयु 19 से 40 वर्ष तथा शैक्षणिक योग्यता 10वीं से स्नातक व भार 45 से 90 कि.ग्रा.होना चाहिए।

केश्व राम शास्त्री के निधन पर शोक व्यक्त

हिमालयन अपडेट

शिमला : चियोग क्षेत्र के जाने माने विद्वान, साहित्कार एवं समाजसेवी केशव राम शास्त्री के निधन पर कसुपंटी के पूर्व मंडल अध्यक्ष जितेन्द्र भोटका, चियोग के प्रधान दिनेश जोगटा सहित अनेक बुद्विजीवी वर्ग ने गहरा दुःख व्यक्त किया है। उन्होने दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिवार को इस दुःख की घड़ी में शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्राथार्ना की है। सीनीयर सैकेंडरी स्कूल चियोग के प्रधानाचार्य संदीप शर्मा ने बताया कि उनके पिता केश्व राम का बीते दिनों अपने निवास स्थान जठाई करयाल में निधन हो गया है वह 82 वर्ष के थे। केश्व राम शर्मा सरकारी स्कूल से बतौर शास्त्री पद से रिटायर हुए थे।

जिला युवा सेवा एवं खेल अधिकारी एवं सचिव जिला खेल परिषद की बैठक आयोजित

हिमालयन अपडेट

कुल्लू :जिला युवा सेवा एवं खेल विभाग, कुल्लू, की प्रथम बैठक जिला युवा सेवा एवं खेल अधिकारी एवं सचिव जिला खेल परिषद की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस बैठक में एडीपीओ उच्च शिक्षा, एडीपीओ प्राथमिक शिक्षा विभाग, जिला के उत्कृष्ट खिलाडी, जिला खेल संघों तथा विभिन्न खेल अकादमियों तथा जिला के एनजीओ के पदाधिकारियों समेत कुल 36 सदस्य उपस्थित रहें। बैठक में सभी सदस्यों द्वारा अपने विचार प्रस्तुत किए गए जिसमें जिला कुल्लू में विभिन्न खेल तथा खेल सुविधाओं

व ढालपुर खेल मैदान को विकसित करने तथा जिला में खेलों को बढावा देने बारे में चर्चा हुई। बैठक में बैडमिन्टन कोर्ट, वालीवॉल कोर्ट, कबडडी कोर्ट, टेबल टेनिस कोर्ट, वॉस्केटवाल कोर्ट, फुटवाल मैदान, शतरंज, जुडो, एथलेटिक्स, जिम तथा कई अन्य खेलों के बारे में चर्चा हुई।

जिला युवा सेवा एवं खेल अधिकारी कुल्लू तथा सचिव जिला खेल परिषद ने उपस्थित सदस्यों से जिला कुल्लू में ऐसे स्थान चिन्हित करने को कहा है जहां पर कुछ निर्माण कार्य करके उन स्थानों को खेलने लायक बनाया जा सके।

चार महीने में बदले मुख्यमंत्री के गृह जिला हमीरपुर के एसपी, आईपीएस भगत सिंह को कमान

शिमला: हिमाचल में आदर्श चुनाव आचार संहिता हटते ही तबादलों का दौर शुरू हो गया है। कांग्रेस की सत्तारूढ़ सुक्खू सरकार ने सबसे पहले मुख्यमंत्री के गृह जिला हमीरपुर के एसपी का तबादला किया है। आईपीएस अधिकारी भगत सिंह को हमीरपुर का नया एसपी लगाया गया है। वह 2015 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं और मंडी जिला की तीसरी बटालियन पण्डोह में कमांडेंट थे। राज्य सरकार ने हमीरपुर के एसपी रहे पदम चंद को तीसरी बटालियन पण्डोह में कमांडेंट के पद पर तैनात किया है। मुख्य सचिव प्रबोध सक्सेना ने शुक्रवार देर रात इस सम्बंध में आदेश जारी किए हैं। आचार संहिता हटने के बाद सुक्खु सरकार का यह पहला तबादला है।

बंद पड़े निर्माण कार्य को लेकर शौरी ने सौंपा ज्ञापन

हिमालयन अपडेट

कुल्लू :बंजार नगर व इसके आसपास के इलाके.में आजकल ट्रैफिक जाम की समस्या विकराल रूप ले चुकी है। घंटों ट्रैफिक जाम की समस्या से स्थानीय जनता व पर्यटक सभी प्रेषण हैं। ऐसे में राष्ट्रीय उच्च मार्ग के मापदंडों के अनुसार औट-बंजार-लूहरी सडक को स्तरोन्नत करने की माँग भी मुखर हो उठी है। बंजार नगर को ट्रैफिक की समस्या से निजात दिलाने के लिए पूर्व की जयराम सरकार द्वारा भू-अधिग्रहण कर बाईपास सडक का निर्माण कार्य शुरू किया गया था। परन्तु कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद से पिछले डेढ़ बर्ष से बंजार बाईपास का निर्माण कार्य बंद पड़ा है जिसके संदर्भ में आज बंजार विधानसभा क्षेत्र से विधायक सुरेंद्र शौरी ने तहसीलदार बंजार को एक ज्ञापन सौंपा।

विधायक शौरी ने कहा कि बाईपास निर्माण के लिए भू-अधिग्रहण किया जाकर पर्याप्त बजट के साथ पूर्व सरकार में 70प्रतिशत कार्य पूरा किया जा चुका था। जबकि आज कांग्रेस सरकार डेढ़ साल से सत्ता में होकर भी पूर्ण संसाधन व औपचारिकताएँ होने के बाबजूद बाईपास सडक को 100 मीटर भी नहीं निकाल पाई है। पूर्व सरकार में ही बजट उपलब्ध कराने व भू अधिग्रहण का प्रमुख कार्य किया जा चुका है। विभाग कार्य आबंटित कर के भी कार्य करने में असमर्थता जता रहा है जो कि सरासर सरकार की नाकामी है। बंजार नगर में बढ़ती ट्रैफिक समस्या में यह बाईपास निर्माण एक बहुत बड़ी राहत है। परंतु इस सरकार में बंजार विधानसभा क्षेत्र की अनदेखी चरम पर है। ज्ञापन के माध्यम से सरकार व प्रशासन को स्पष्ट संदेश दिया गया है कि यदि आगामी एक सप्ताह तक विभाग का यही लचर रवैया जारी रहा तो एक व्यापक जन आंदोलन करने से भी गुरेज नहीं किया जाएगा। बंजार में की गई मीडिया वार्ता में विधायक शौरी ने सरकार को काम बंद करने व विकास कार्यों के प्रति लचर रवैये के लिए आड़े हाथों लिया है। विधायक शौरी ने लोकसभा चुनावों में प्रत्याशी रहे व सरकार में लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह पर निशाना साधते हुए कहा है कि वे व्यंग्य भाव से बाहर आकर पूरे बंजार क्षेत्र की इस प्रमुख समस्या का जनहित में संज्ञान लें व अतिशीघ्र बाईपास के निर्माण कार्य को पुनरू शुरू कर अतिशीघ्र पूर्ण कराएँ।

जो जीव धरती पर आया है, उसे जाना भी होगा...

हिमालयन अपडेट

बिलासपुर :नगर के डियारा सेक्टर में स्थित पिपलेश्वर महादेव मंदिर के सामने पार्क में चल रही श्रीमद भागवत कथा के अंतिम दिन प्रवचन करते हुए कथावाचक पंडित सुरेश भारद्वाज ने कहा कि जीवन की महान सच्चाई मौत है कोई भी जीव इससे बच नहीं सका है। संसार में जो भी जीव आता है। उसे संसार छोडकर अवश्य जाना पड़ता है, आवागमन ही संसार की रीत है। उन्होंने कहा कि जिस काम के लिए जीव धरती पर आया है, वह उस काम को करना ही भूल गया है। भगवान का स्मरण ही एक ऐसा उपाय उपाय है। जिससे जीव मनुष्य प्रभु चरणों में बिना कष्ट के चला जाता है। इस दौरान उन्होंने राजा परीक्षित की कथा सुनाई। उन्होंने कहा कि जब भागवत कथा सुनाते हुए

शुकदेव को छह दिन बीत गए और उनकी मृत्यु में बस एक दिन शेष रह गया। लेकिन राजा का शोक और मृत्यु का भय कम नहीं हुआ तब शुकदेवजी ने राजा को एक कथा सुनाई कि एक राजा जंगल में शिकार खेलने गया और रास्ता भटक गया। रात होने पर वह आसरा ढूंढने लगा। उसे एक झोपड़ी दिखी जिसमें एक बीमार बहेलिया रहता था। उसने झोपड़ी में ही एक ओर मलण्मूत्र त्यागने का स्थान बना रखा था और अपने खाने का सामान झोपड़ी की छत पर टांग रखा था। सुबह उठते-उठते उस झोपड़ी की गंध में राजा ऐसा रच-बस गया कि वहीं रहने की बात सोचने लगा। इस पर उसकी बहेलिए से कलह भी हुई। वह झोपड़ी छोड? में भारी कष्ट और शोक का अनुभव करने लगा। कथा सुनाकर शुकदेव ने परीक्षित से पूछा क्या उस राजा के लिए यह झंझट उचित था, परीक्षित ने कहा वह तो बड़ा मूर्ख थाए जो अपना राज-काज भूलकर दिए हुए वचन को तोड?ा चाहता था। वह राजा कौन था, तब शुकदेव ने कहा ि क परीक्षित वह तुम स्वयं हो। इस मलण्मूत्र की कोठरी देह में तुम्हारी आत्मा की अवधि पूरी हो गई। अब इसे दूसरे लोक जाना है, पर तुम झंझट फैला रहे हो। क्या यह उचित है। यह सुनकर परीक्षित ने मृत्यु के भय को भुलाते हुए मानसिक रूप से निर्वाण की तैयारी कर ली और अंतिम दिन का कथा-श्रवण पूरे मन से किया। उन्होंने बताया कि शिक्षा ग्रहण करने के बाद परीक्षित ने शुकदेव से कहा कि अब उन्हें सांपों के काटने का कोई डर नहीं है। इसी दौरान उस काल के प्रचलित नाग वंश तक्षक का एक नाग ब्राह्मण की वेशभूषा में उनके नजदीक आया। उन्होंने परीक्षित को काट खाया और इससे परीक्षित की मौत हो गई। आयोजकों ने बताया कि रविवार 9 जून को विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

हिमालयन अपडेट
himalayanupdate@gmail.com

मुख्यमंत्री नायब सिंह ने राज्य में 50,000 नई नौकरियों की घोषणा की

राज्य सरकार युवाओं को दे रही है पूरा मान-सम्मान। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस नेताओं पर सामाजिक-आर्थिक मानदंडों पर झूठे ब्यानबाजी व जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया

हिमालयन अपडेट

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह ने आज राज्य के युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए कहा कि शीघ्र ही विभिन्न श्रेणियों में 50,000 पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इसके अलावा, युवाओं को ग्रुप-डी की नौकरियां भी दी जाएंगी। मुख्यमंत्री की यह घोषणा हरियाणा में रोजगार के अवसर प्रदान करने और युवा पीढ़ी की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए सरकार द्वारा किये जा रहे प्रयासों का हिस्सा है।

श्री नायब सिंह हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग (एचएसएससी) के नए चेयरमैन हिम्मत सिंह से आज यहां हरियाणा निवास में शपथ दिलवाने उपरांत मीडियाकर्मियों से बातचीत कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी नौकरियों के लिए पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया की प्रणाली को जारी रखा जाएगा।

योग्यता आधारित भर्ती हमारी प्रतिबद्धता

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार युवाओं को पूरा मान-सम्मान दे रही है और जल्द ही सरकार 50,000 नए रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने जा रही है। उन्होंने इस बात पर बल देते हुए कहा कि सरकार ने अपने कार्यकाल के दौरान बिना किसी भेदभाव के पूरी तरह से योग्यता के आधार पर नौकरियां दी हैं और यह पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया भविष्य में भी जारी रहेगी।

उन्होंने कहा, यह गर्व की बात है कि युवाओं का सरकार की कार्यप्रणाली में विश्वास बढ़ा है

क्योंकि वे बिना किसी खर्ची-पर्ची (रिश्वत और पक्षपात) के सरकारी नौकरियां हासिल कर रहे हैं, जो पिछली सरकारों में चलती थी।

सुप्रीम कोर्ट में सामाजिक-आर्थिक मानदंड के लिए दी जाएगी दलील

ग्रुप सी और ग्रुप डी श्रेणी के पदों के लिए सामाजिक-आर्थिक मानदंड के तहत अतिरिक्त 5 अंक देने पर पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के हाल ही में दिये गए निर्णय के बारे में पूछे जाने पर मुख्यमंत्री ने कहा कि माननीय न्यायालय की पहली पीठ ने गरीब परिवारों के लोगों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से इस मानदंड को सही ठहराया था। हालांकि, अगली पीठ का दृष्टिकोण अलग हो सकता है।

उन्होंने कहा, राज्य सरकार उम्मीदवारों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। हम जल्द ही इस मामले को सर्वोच्च न्यायालय में पेश करेंगे और युवाओं को न्याय सुनिश्चित करने के लिए इसकी पुरजोर वकालत करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सामाजिक-आर्थिक मानदंड गरीब परिवारों के सदस्यों को अवसर प्रदान करने के लिए अपनाए गए थे, जिनके पास कोई सरकारी नौकरी नहीं थी।

उन्होंने ऐसे परिवारों की उपेक्षा करने के लिए वर्ष 2014 से पहले की सरकारों की आलोचना की।

विपक्ष के दुष्प्रचार पर दी प्रतिक्रिया

एक अन्य सवाल के जवाब में, मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह ने कांग्रेस नेताओं पर इस मुद्दे पर झूठे प्रचार करने के साथ जनता को गुमराह करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस नेता युवाओं का भविष्य अंधकारमय बताकर उन्हें भडका रहे हैं, जबकि हकीकत में स्वयं कांग्रेस का भविष्य अंधकार में है।

दिल्ली के सरकारी स्कूलों के 1414 बच्चों ने की नीट परीक्षा पास: अनुराग ढांडा

अरविंद केजरीवाल की सरकार में गरीबों के बच्चे आईआईटी, आईआईएम और नीट की परीक्षा पास कर रहे : अनुराग ढांडा

हिमालयन अपडेट

चंडीगढ़। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष अनुराग ढांडा ने शनिवार को बयान जारी कर कहा कि दिल्ली में अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में जबरदस्त शिक्षा क्रांति हुई है। जिससे गरीबों

के बच्चे भी अच्छी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। दिल्ली के सरकारी स्कूलों के 1414 छात्र छात्राओं ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) की परीक्षा में लगातार शानदार प्रदर्शन किया है।

उन्होंने कहा कि इस साल नीट के परिणाम आने के बाद दिल्ली सरकार के स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों ने अपने पिछले कई साल के नीट के रिकॉर्ड को तोड़ते हुए 1414 बच्चों ने नीट की परीक्षा पास की है। पहले कोई सोच भी नहीं सकता था कि गरीबों के बच्चे आईआईटी -आईआईएम और मेडिकल की प्रतियोगी परीक्षाओं का टेस्ट देंगे, लेकिन अब वो परीक्षा भी दे रहे हैं और पास भी हो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार के स्कूलों से नीट की परीक्षा पास करने वाले बच्चों की संख्या हर साल बढ़ती आई है। 2020 में यह संख्या 569 थी। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार के 12 स्कूल स्पेशलाइज्ड एक्सीलेंस हैं। इन स्कूलों में से 6 स्कूलों का नीट में 100% परिणाम आया है और स्कूल ऑफ एक्सीलेंस के 255 में से 243 ने नीट की परीक्षा पास की। वहीं दिल्ली के सरकारी स्कूलों के कुल 1414 छात्रों ने नीट की परीक्षा पास की है।

उन्होंने कहा कि जिस प्रकार दिल्ली में अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में जबरदस्त शिक्षा क्रांति हुई है। उसी प्रकार हरियाणा में भी आम आदमी पार्टी विधानसभा चुनाव में पूर्ण बहुमत से सरकार बनाकर शिक्षा क्रांति लाने का काम करेगी।

फिक्की द्वारा चंडीगढ़ में पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और चंडीगढ़ के लिए सदस्यों की सफल बैठक आयोजित

हिमालयन अपडेट

चंडीगढ़। फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) द्वारा आज 8 जून को चंडीगढ़ में होटल ताज में पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और चंडीगढ़ के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया । श्री राजन दत्त (आईआरएस) आयुक्त सीजीएसटी पंचकूला ने मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर पर कार्यकर्म की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता ट्राइडेंट ग्रुप के चेयरमैन श्री राजिंदर गुप्ता ने की और सह-अध्यक्षता यदु कॉर्प के सीईओ श्री कुणाल यादव ने की। आज हुई इस बैठक का फोकस क्षेत्र के लिए रणनीतिक योजना और फिक्की का विजन रहा ।

ट्राइडेंट ग्रुप के चेयरमैन श्री राजिंदर गुप्ता ने अपने स्वागत भाषण के साथ बैठक का उद्घाटन किया,

जिससे गहन चचाओं का मंच तैयार हो गया। उन्होंने रणनीतिक दूरदर्शिता और क्षेत्र में आर्थिक विकास और नवाचार को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक सामूहिक प्रयास के महत्व पर जोर दिया।

इस अवसर पर बोलते हुए मुख्य अतिथि श्री राजन दत्त (आईआरएस) ने उद्योग जगत को आश्वासन दिया कि वे अपनी शिकायतें समाधान के लिए सामने रखें। उन्होंने बताया कि सरकार ने व्यापार करने में आसानी" के लिए अतीत में कई कदम उठाए हैं।

आज हुई इस बैठक में 60 प्रीमियम उद्योग सदस्यों और प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने भाग लिया, जिनमें विशेष रूप से श्री विनीत नंदा, चेयरमैन अर्बन इन्फ्रास्ट्रक्चर कमेटी , श्री जगसीर मान, कृषि समिति के सदस्य , श्री रामपवन कुमार, चेयरमैन सीएमएसएमई कमेटी, डॉ. एच.एस. काहलों, निदेशक (सेवानिवृत्त) पशुपालन विभाग पंजाब, श्री विनोद खडेलवाल, हरियाणा चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के चेयरमैन, सुश्री दीपाली गुलाटी, प्रेसिडेंट सीएसआर परिषद और महिला भारतीय चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री शामिल थे। इन विशिष्ठ सदस्यों की भागीदारी और कई नए और संभावित सदस्यों के साथ ने व्यापार समुदाय के भीतर मजबूत जुड़ाव और रुचि को रेखांकित किया।

कार्यक्रम का समापन सह-अध्यक्ष श्री कुणाल यादव के समापन भाषण से हुआ, जिन्होंने फिक्की के महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को प्राप्त करने में रणनीतिक पहल और सहयोग की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने सभी उपस्थित लोगों को उनकी बहुमूल्य अंतर्दृष्टि और सक्रिय भागीदारी के लिए आभार व्यक्त किया।

धर्मपाल तिगरा को बसपा प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया

हिमालयन अपडेट

रादौर। लोकसभा चुनावों में बेहतर प्रदर्शन न करने के बाद बहुजन समाज पार्टी की ओर से संगठन में बड़ा फेरबदल किया गया है। हरियाणा, पंजाब, चंडीगढ़ बहुजन समाज पार्टी के केंद्रीय कोऑर्डिनेटर व प्रदेश इंचार्ज रणधीर सिंह बेनीवाल ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष, पूर्व मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश कुमारी मायावती के आदेश अनुसार प्रदेश बसपा अध्यक्ष राजवीर सोरखी को तत्कालीन प्रभाव से हटाकर उनकी जगह धर्मपाल तिगरा को प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। नवनियुक्त अध्यक्ष धर्मपाल तिगरा पिछले 15 साल से जिला परिषद के सदस्य है, जो 2010 से 2015 तक 5 साल लगातार जिला परिषद यमुनानगर के चेयरमैन पद पर रहे हैं। वहीं वह 2007 से 2017 तक लगातार 10 साल कोऑपरेटिव बैंक नाहरपुर एपेक्स के निदेशक पद पर रहे हैं।

मोबाइल की दुकान से नकदी व सामान चोरी

हिमालयन अपडेट

सिरसा। गांव खारियां के बस स्टेंड पर एक मोबाइल की दुकान की दीवार तोडकर चोर गल्ले से 4500 रुपए की नकदी सहित हजारों रुपए का सामान चोरी कर ले गए।

पुलिस को दी शिकायत में दुकान संचालक गांव खारियां निवासी विक्की मेहता ने बताया कि वह गांव के बस स्टेंड पर मोबाइल की दुकान करता है। उसने बताया कि बीती 6 जून की रात को वह अपनी दुकान बंदकर घर आ गया। देर रात को चोरों ने दुकान की साइड की दीवार को तोडकर अंदर घुसकर गल्ले में पड़ी 4500 रुपए की नकदी, तीन पुराने व चार नए मोबाइल, 8 इयर बर्डस, 4 स्मार्ट वॉच चोरी कर ले गए। सुबह जब वह दुकान पर गया तो उसे घटना का पता चला। शटर खोला तो देखा कि साइड की दीवार टूटी पड़ी थी। अंदर जाकर सामान संभाला तो उपरोक्त सामान गायब था। उन्होंने अपने स्तर पर आसपास के दुकानदारों से भी पूछताछ की, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। जिसके बाद पुलिस को सूचित किया गया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

युवक हैरोइन सहित काबू

हिमालयन अपडेट

सिरसा। सीआईए कालांवाली पुलिस ने गांव देसूजोधा से एक युवक को 3 ग्राम 65 मिलीग्राम हैरोइन सहित गिरफ्तार किया है।

कालांवाली सीआईए प्रभारी उप निरीक्षक राजपाल ने बताया कि पकड़े गए युवक की पहचान अमृतपाल सिंह निवासी देसूजोधा के रूप में हुई है। पकड़े गए युवक के खिलाफ थाना शहर डबवाली में मादक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि आरोपी को न्यायालय में पेश कर उसे पुलिस रिमांड पर लिया जाएगा और इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों के बारे में नाम पता मालूम कर उनके खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) की जिला सांगठनिक कमेटी की बैठक हुई

हिमालयन अपडेट

कुरुक्षेत्र। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) कुरुक्षेत्र जिला सांगठनिक कमेटी की एक बैठक हुई। बैठक में अभी हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव को लेकर व्यापक विचार विमर्श किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए राज्य सचिव मंडल सदस्य प्रेमचंद व जिला सचिव राजविंद्र सिंह चंदी ने कहा कि चुनाव परिणाम में जनता का फैसला भाजपा के लिए झटका है। उन्होंने कहा कि 18 वीं लोकसभा चुनाव के नतीजों में भाजपा के लिए जनता ने रोष व्यक्त किया है। मतदाताओं ने भाजपा को वह अपना बहुमत नहीं दिया है जो उसे पिछले दो लोकसभा चुनावों 2014 और 2019 में मिला था। वास्तव में जनता ने भाजपा को एक करारा झटका दिया है। भाजपा के नेताओं ने इस चुनाव में 400 सीटें जीतने का दावा किया था। .

भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) नेताओं ने कहा कि ये चुनाव विपक्षी दलों पर चौतरफा हमलों, केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग और धन-बल के बड़े पैमाने पर इस्तेमाल की पृष्ठभूमि में हुए थे। पोलित ब्यूरो इन सत्तावादी हमलों के खिलाफ खड़े होने और संविधान, लोकतंत्र और नागरिक अधिकारों की रक्षा के लिए लोगों को बधाई देता है।

उन्होंने बताया कि इंडिया ब्लॉक ने बेरोजगारी, महंगाई, कृषि संकट और लोकतंत्र और संविधान पर हमलों के मुद्दों को उठाकर एक विश्वसनीय प्रदर्शन किया है। वे किए जा रहे सांप्रदायिक चुनाव प्रचार का काफी हद तक मुकाबला करने में सक्षम रहे। यदि चुनाव आयोग ने समान अवसर सुनिश्चित किया होता तो परिणाम भाजपा और एनडीए के लिए अधिक प्रतिकूल होते। सी.पी.आई. (एम.) और वाम दलों ने अपनी सीटों में मामूली सुधार दर्ज किया। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) नेताओं ने कहा कि हमारी पार्टी विभिन्न मुद्दों को लेकर भविष्य में व्यापक जन आंदोलन चलाएगी।

आर .टी .आई . के अंतर्गत सूचना उपलब्ध न करवाने पर थानेसर नगर परिषद के तत्कालीन कार्यकारी अधिकारी को 25 हजार का जुमार्ना

हिमालयन अपडेट

कुरुक्षेत्र। नगर की दुखभंजन कालोनी के आवासीय क्षेत्र में अवैध निर्माण को लेकर कालोनी के निवासी लाला लाजपत राय सेवा समिति के महासचिव एवं अग्रवाल समाज के सक्रिय पदाधिकारी राजेश इंटरनेशनल वर्ष 2021 से लगातार थानेसर नगर परिषद के कार्यकारी अधिकारी सहित जिला प्रशासन, स्थानीय निकाय के उच्च अधिकारियों एवं राज्य सरकार के मंत्रियों को गुहार लगा चुके हैं।

हिमालयन अपडेट
himalayanupdate@gmail.com

संपादक की कलम से

किंगमेकर नीतीश कुमार का नरेन्द्र मोदी का पैर छूने के लिए झुकना 4 इशारे करता है

शुक्रवार को नवनिर्वाचित एनडीए संसदीय दल की बैठक में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का व्यवहार देखने लायक था। अगर आपका पोलिटिकल ओरिएंटेशन एनडीए की ओर है तो शायद पुरानी संसद के सेंट्रल हाल का ये दृश्य देखकर आप भाव विभोर भी हो सकते हैं।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जिस तरह पीएम मोदी के सम्मान में अपने भाव व्यक्त किए वो कुछ ऐसा ही था। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शायद उस वक्त कुछ ज्यादा ही भावुक हो गए थे। उनकी आंखें डबडबाई महसूस हो रही थीं। नीतीश कुमार नरेंद्र मोदी के प्रति जो विश्वास दिखा रहे थे, उनके शब्दों से उसे समझा जा सकता है। वो मोदी के नेतृत्व में पूर्ण आस्था दिखा ही रहे थे, ये भी चाहते थे कि बस जल्दी शपथ ग्रहण भी हो जाए। उन्होंने कहा कि मैं तो चाहता हूं अभी शपथ ग्रहण हो जाए पर आप जब चाहे हम आपके साथ हैं। इतना ही नहीं नीतीश कुमार स्पीच देने के बाद मोदी के पास जाते हैं और उनके पैर छूने की कोशिश करते हैं। पीएम मोदी भी उनके सम्मान में तुरंत खड़े हो जाते हैं और उन्हें झुकने से रोक लेते हैं। देश के 2 सम्मानित नेताओं का यह मिलन वास्तव में अद्भुत था। पर विरोधी हों या समर्थक सभी नीतीश कुमार के इस जेस्चर को देखकर अचंभित हुए। उम्र के लिहाज से दोनों में ज़्यादा फर्क नहीं है। नीतीश कुमार पीएम मोदी से महज 6-7 महीने ही छोटे हैं। लेकिन, राजनीतिक हलको में कहा जाता है कि नीतीश कुमार को समझना मुश्किल ही नामुमकिन है। आइये देखते हैं वो कौन सी बातें हैं जिसके चलते नीतीश कुमार आज नरेंद्र मोदी को लेकर इतने विनम्र नजर आ रहे थे।

1- इंडिया गठबंधन से कुछ मिलने की बहुत उम्मीद नहीं :

नीतीश कुमार सत्ता के बहुत महीन खिलाड़ी हैं। कुर्सी उनको बहुत दूर से दिखाई देती है। जहां तक बीजेपी के धुरंधरों की नजर नहीं पहुंच सकती, उसके आगे तक देखने का नजरिया उनके पास है। उन्हें बहुत पहले पता लग गया था कि इंडिया गठबंधन अभी सत्ता से कोसों दूर है। इसलिए ही उन्होंने मौका देखकर एनडीए की ओर पलटी मार ली थी। वो जानते हैं कि अभी भी इंडिया गठबंधन में इतने दावेदार हैं कि वहां पीएम और डिप्टी पीएम के लिए बहुत मारा मारी है। इंडिया गठबंधन अगर सरकार बनाती भी है तो उसके ऑकिटेक्ट कई होंगे। वहां पर राहुल गांधी ही नहीं अखिलेश यादव, ममता बनर्जी , अरविंद केजरीवाल जैसे कई लोग नीति नियंता बनेंगे। सबसे बढ़कर उनके पुराने दोस्त लालू यादव की भूमिक तो प्रमुख रहेगी ही। लालू ने जब उन्हें इंडिया गठबंधन का कन्वेनर नहीं बनने दिया तो नीतीश कुमार के साथ इंडिया गठबंधन में न्याय नहीं होने वाला है।

2- एनडीए में कोई बढ़िया डील हुई है? :

जिस तरह का भाषण देते समय नीतीश कुमार ने बिहार के विकास में जो बाकी है उसके बारे में बात की उससे लगता है कि कुछ तो डील हुई है। 'इन्होंने पूरे देश की सेवा की है, पूरा भरोसा है जो कुछ भी बचा है अगली बार ये सब पूरा कर देंगे, जो भी राज्य का है हमलोग पूरे तौर पर सब दिन इनके साथ रहेंगे। हम देखें हैं कि इधर उधर कुछ जीत गया है, अगली बार जो आइएगा न तो सब हारेगा। उन लोगों (विपक्ष) ने आजतक कोई काम नही किया है देश बहुत आगे बढ़ेगा बिहार का सब काम हो ही जाएगा।'

नीतीश ने कहा, 'बिहार के सभी लंबित काम पूरे किए जाएंगे। यह बहुत अच्छी बात है कि हम सभी एक साथ आए हैं और हम सभी आपके (पीएम मोदी) साथ मिलकर काम करेंगे। आप रविवार को प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे, लेकिन मैं चाहता था कि आप आज ही शपथ लें। जब भी आप शपथ लेंगे, हम आपके साथ होंगे...हम सभी आपके नेतृत्व में मिलकर काम करेंगे...'

बिहार के सभी लंबित का पूरे किए जाएंगे इस एक वाक्य से उन्होंने यह संदेश दिया है कि कुछ तो डील हुई है। पिछले दिनों बिहार के राजनीतिक दलों में एक बात की बहुत चर्चा है कि नीतीश कुमार के बेटे को भी राजनीति में स्टैबलिश करना है। हो सकता है कि इस बात पर भी कोई प्लान बी तैयार किया गया हो।

पक्षियों के संरक्षण की जरूरत

- बाबा मायाराम

पक्षी हमारे लिए कई तरह से उपयोगी हैं। उनका संरक्षण बहुत जरूरी है। मेनार गांव जैसी पहल अब और भी जगहों पर चल रही हैं। पक्षी अभयारण्य, वन्य जीव अभयारण्यों में इनके संरक्षण के प्रयास किए जा रहे हैं। पक्षियों के प्रति पर्यटकों का भी रूझान बढ़ा है। पक्षी अवलोकन भी बढ़ा है। लेकिन इस तरह की पहलों की और भी जरूरत है। पक्षियों के प्रति संवेदनशीलता की आवश्यकता है।

पक्षी हमारे आसपास चारों तरफ हैं। गांव, शहर, जंगल, नदी और तालाब के आसपास, सभी जगह पक्षी देखे जा सकते हैं। लेकिन कुछ सालों से देखने में आया है कि कई कारणों से पक्षी संकट में हैं, कुछ तो विलुप्ति के कगार पर हैं। आज इस कॉलम में पक्षी और मनुष्य का रिश्ता क्या है, पर्यावरण में उनका योगदान क्या है, उनके संरक्षण की जरूरत क्यों है, इस पर बातचीत करना चाहूंगा। छुटपन में हम देखते थे कि चिड़ियों की चहचहाहट से सुबह नींद खुलती थी। पेड़ों पर उनका कलरव होता था। गौरेया आंगन में दाना चुगने के लिए आती थीं। इधर-उधर उड़ती रहती थीं। कच्चे घरों में भी चिड़ियाएं घोंसला बनाया करती थीं। घर,गांव व नदियों के आसपास गिद्ध मंडराया करते थे। हम देखते थे कि किसान अनाजों की बालियां पक्षियों के लिए पेड़ों पर टांग देते थे। सार्वजनिक स्थानों पर और पेड़ों पर पानी पीने के लिए सकोरे टांग दिए जाते थे। कुएं के मुंडेरों पर पक्षी पानी पीते दिखते थे। उनकी मौजूदगी वातावरण को खुशनुमा बनाती थी। पक्षियों के बारे में कई कहानियां व गीत हैं। लोककथाएं हैं। संस्कृति और इतिहास में पक्षियों का उल्लेख है। सिनेमा में भी पक्षियों के कारनामे दिखाए जाते रहे हैं। पक्षियों की कई मूर्तियां भी हैं। छत्तीसगढ़ में सुआ नाच व मध्यप्रदेश के बुंदेलखंड में पड़की नृत्य भी प्रचलन में है। हमारे देश में काफी विविधता पाई जाती है, क्योंकि यह गर्म जलवायु वाला देश है। अधिक विविधता गर्म जलवायु वाले देशों में पाई जाती है। ठंडे जलवायु वाले देशों में कम विविधता पाई जाती है। इस तरह, यहां पक्षियों की सैकड़ों प्रजातियां हैं। वे रंग-बिरंगे होते हैं। इन्हें देखना रोमांचक होता है, इनका गीत बहुत मधुर होता है। कई आकार के होते हैं और इनका गान व व्यवहार भी अलग-अलग होता है। पक्षियों की दुनिया अलग है। मोटे तौर कह सकते हैं कि जो उड़ते हैं, वे पक्षी कहलाते हैं, उनके पंख होते हैं।

द्रोपदी मुर्मू की दरियादिली को प्रणाम

@ राकेश अचल

राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मू की दरियादिली को प्रणाम। उन्होंने नव नियुक्त प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र भाई दामोदर दास मोदी को शपथ ग्रहण से पहले दही-चीनी खिलाकर उनका स्वागत किया। ये काम राष्ट्रपति भवन में पहली बार हुआ है। इसे आगे भी जारी रहना चाहिए। दुनिया जानती है कि शगुन और अशगुन के बारे में पुरुषों से ज्यादा महिलाएं जानतीं हैं और उनका ख्याल भी रखतीं है। राष्ट्रपति ने पिछले दो साल में पूर्ववर्ती सरकार द्वारा किये गए अपमान को खामोशी के साथ पिया लेकिन उफ तक नहीं की। और जब मौका आया तब भी अपने ममत्व पर अदावत को हावी नहीं होने दिया।

निस्संदेह द्रोपदी जी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने जा रहे नरेंद्र भाई दामोदर दस मोदी की खोज थीं, लेकिन उन्होंने राष्ट्रपति को राष्ट्रपति की तरह कभी सम्मान नहीं दिया। श्रीमती मुर्मू ने 25 जुलाई 2022 से लेकर अब तक अपमान के कितने घूँट पिए इसकी गिनती की जाये तो सूची बहुत लम्बी हो जाएगी। यदि उनकी जगह डॉ ज्ञानी जेल सिंह जैसा राष्ट्रपति होता तो प्रधानमंत्री को उनकी हैसियत दिखा देता, लेकिन द्रोपदी जी ने ये नहीं किया। द्रोपदी के सम्मान का चीर हर मौके पर खींचा जाता रहा। यदि देशवासियों को याद हो नयी संसद भवन के शिलान्यास का मौका, याद हो नयी संसद भवन के लोकार्पण का मौका और यदि याद हो हाल ही में पूर्व उप प्रधानमंत्री श्री लालकृष्ण आडवाणी जी को 'भारतरत्न' सौंपे जाने का मौका तो आप समझ जायेंगे कि मै अपनी बात पूर्वाग्रह से ग्रस्त होकर नहीं कह रहा बल्कि इसके जीवंत प्रमाण मौजूद हैं। देश में ऐसा पहली बार हुआ जब कि राष्ट्रपति का राजनीतिक इस्तेमाल भी बेहयाई के साथ किया गया। आम चुनावों से पहले हुए पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में और आम चुनावों में भी। राष्ट्रपति जी को देश के तमाम आदिवासी अंचलों में भाजपा के कायकर्ता की तरह भेजा गया। श्रीमती द्रोपदी मुर्मू एक बार भी मना नहीं कर पायीं, हालांकि उनकी इस उदारता या विवशता की वजह से राष्ट्रपति पद का सम्मान जरूर कम हुआ। मेरे इस उल्लेख से भक्त मण्डली मुझे पूर्व राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा पाटिल के कार्यकाल की याद जरूर दिलाएंगी, लेकिन मै स्पष्ट कर दूँ कि श्रीमती पाटिल का वैसा अपमान कभी नहीं किया गया जैसा की श्रीमती मुर्मू का हुआ। मुझे जहाँ तक याद आता है कि प्रधानमंत्री रहते हुए हमारे होनहार प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र भाई दामोदर दास मोदी अपनी असंख्य विदेश यात्राओं पर जाने या वापस लौटने के बाद एक बार भी शिष्टाचारवश राष्ट्रपति से भेंट करने नहीं गए। उनकी ऐसी कम ही तस्वीरें उपलब्ध हैं। प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने जनधन से जितनी दुनिया घूमीं उसका दसांश भी राष्ट्रपति जी के हिस्से में नहीं आया। लेकिन मैडम मुर्मू ने उफ तक नहीं की। भारत का सौभाग्य है कि उसे श्रीमती मुर्मू जैसी सहनशील और ममत्व से भरी राष्ट्रपति हासिल हुई। इसके लिए नादामो का धन्यवाद जरूर किया जा सकता है।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मू एक पारिवारिक और संस्कारित महिला है। वे जानतीं है कि खुशी के मौके पर नरेंद्र भाई दामोदर दास मोदी को दही-चीनी खिलाने वाला दुनिया में कोई नहीं बचा। उनकी माँ का भी स्वर्गवास हो चुका है। पत्नी को वे त्याग चुके हैं। भाई-भाभियों से उनके रिश्ते मधुर नहीं हैं। ऐसे में नादामो निराश हो सकते हैं, इसलिए मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन की तमाम स्थापित परम्पराओं को ताक पर रखते हुए नए प्रधानमंत्री को दही-चीनी खिलाकर एक शुभ कार्य किया। अब तक नए प्रधानमंत्री को केवल गुलदस्ते देने का चलन था।

मुर्मू के हाथों दही-चीनी खाते हुए माननीय मोदी जी को कैसा अनुभव हुआ, ये तो हमें नहीं पता लेकिन हमें अपने बचपन में दही-चीनी, दही -पेड़े खाने की तमाम घटनाएं याद हैं।

दही-चीनी परंपरा हुआ करती थी। जब भी कोई अच्छे काम के लिए बाहर जाता, नानी-दादी या मां उसे दही-चीनी खिलाया करती थीं। हमें तो परीक्षा में जाने से पहले उन्हें दही-चीनी खिलाया जाता था। लोगों में ऐसी मान्यता थी की कसिी भी शुभ कार्य से पहले दही-चीनी का सेवन शुभ होता है। आपको बता दें की दही-चीन का रिश्ता ठीक चोली-दामन जैसा है। दही-चीनी का धार्मिक महत्व भी है और वैज्ञानिक महत्व भी। राष्ट्रपति जी द्वारा नए प्धानमंत्र को दही - चीनी खिलाने की घटना के बहाने आपको बता दें कि ये समिश्रण शुभता का प्रतीक है। दही और चीनी दोनों को शुभ माना जाता है। दही को पवित्रता और शुद्धता का प्रतीक माना जाता है, जबकि चीनी मधुरता और सफलता का प्रतीक है।

ज्योतिष शास्त्र में, दही चंद्रमा और चीनी शुक्र ग्रह से संबंधित है। शुभ कार्य से पहले इन ग्रहों का अनुकूल प्रभाव प्राप्त करने के लिए दही-चीनी खाई जाती है। हिंदू धर्म के कई धार्मिक ग्रंथों में दही-चीनी का महत्व बताया गया है। उदाहरण के लिए, स्कंद पुराण में कहा गया है कि "शुभ कार्य से पहले दही-चीनी खाने से कार्य में सफलता मिलती है।" ये लक्ष्मी और गणेश का प्रिय प्रसाद भी माना जाता है।

हमारे गांव के वैद्य जी कहते थे कि दही और चीनी दोनों ही पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। दही में प्रोटीन, कैल्शियम और विटामिन होते हैं, जबकि चीनी ऊर्जा प्रदान करती है।

शुभ कार्य से पहले इन पोषक तत्वों से शरीर को ऊर्जा और शक्ति मिलती है। दही पाचन क्रिया को बेहतर बनाने में मदद करता है। शुभ कार्य से पहले दही-चीनी खाने से पेट हल्का रहता है और कार्य करने में आसानी होती है। दही में प्रोबायोटिक्स होते हैं जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद करते हैं। शुभ कार्य से पहले दही-चीनी खाने से शरीर को बीमारियों से बचाने में मदद मिलती है।हमारे चिकत्स्क स्वर्गीय अष्ठाना जी कहते थे कि दही-चीनी खाने से मन शांत और एकाग्र होता है, जिससे कार्य करने में सफलता मिलने की संभावना बढ़ जाती है। दही-चीनी खाने से व्यक्ति में आत्मविश्वास बढ़ता है, जिससे वह कार्य को बेहतर तरीके से कर पाता है । दही-चीनी खाने से व्यक्ति में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है सो अलग, जिससे वह कार्य को उत्साह और जोश के साथ कर पाता है।

शेयर बाजार में हुए खिलवाड़ का सच

मंगलवार, 4 जून को जब 18वीं लोकसभा के लिए चुनावों के नतीजे आए, तो इंडिया गठबंधन के शानदार प्रदर्शन से यह राहत मिली कि लोकतंत्र और संविधान बच गया, लेकिन वहीं शेयर बाजार के निवेशकों के लिए यह दिन राहत की जगह आफत की खबर लेकर आया। एक्जिट पोल आने के बाद शेयर बाजार में जो उछाल देखने मिला था, वह नतीजों के आने की शुरूआत के साथ ही बुलबुले की तरह फूट गया। मंगलवार को निवेशकों के एक कारोबारी सत्र में ही 30 लाख करोड़ रुपये डूब गए। जाहिर है ये निवेशकों की जेब से निकल कर किन्हीं बड़े खिलाड़ियों की जेब में ही गए होंगे। क्योंकि लाखों करोड़ रूपए हवा में गायब नहीं हुए, एक के खाते से निकल कर दूसरे के खाते में गए। अब सवाल यही है कि वो कौन से खिलाड़ी हैं, जिन्हें शेयर बाजार में इस उछाल और गिरावट का फायदा मिला। और किस तरह इन लोगों को बाजार में होने वाली इस हलचल की पहले से ही खबर थी।

चुनावों के पहले चरण के बाद से ही शेयर बाजार मे गिरावट का सिलसिला देखा जा रहा था और तब से ही कयास लगने लगे थे कि मोदी सरकार का तीसरा कार्यकाल नहीं होगा। इंडिया गठबंधन के पक्ष में जनादेश जा सकता है। क्योंकि सत्ता परिवर्तन की आहट शेयर बाजार को पहले लग जाती है। खबरें थीं कि मई माह में विदेशी निवेशकों ने बड़ी मात्रा में अपने निवेश वापस ले लिए थे, इसका नुकसान भारतीय शेयर बाजार को हुआ। लेकिन फिर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपने बयानों में शेयर बाजार को लेकर भविष्यवाणियां कीं। नरेन्द्र मोदी ने साफ तौर पर कहा था कि 4 जून को शेयर बाजार में उछाल आएगा, वहीं अमित शाह ने भी कहा था कि निवेशकों को स्टॉक खरीद लेने चाहिए क्योंकि उन्हें उम्मीद है कि 4 जून को बाजार चढ़ेगा। याद नहीं पड़ता कि इस देश के किसी प्रधानमंत्री या गृहमंत्री ने इससे पहले इस तरह चुनावों के बीच में और खासकर परिणाम आने वाले दिन से पहले शेयर बाजार के निवेशकों को कोई सलाह दी हो। पूर्ववर्ती मोदी सरकार के अनेक अनैतिक कामों में अब इसे भी जोड़ लेना चाहिए। प्रधानमंत्री और गृहमंत्री का काम सरकार चलाना, देश की व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से चलाना है। उन्हें शेयर बाजार का खिलाड़ी नहीं बनना चाहिए था। लेकिन ऐसा लगता है कि उन्हें इस खेल में किसी सोची-समझी रणनीति के तहत शामिल किया गया। भाजपा के कमजोर प्रदर्शन को देखते हुए यह आशंकाएं जतलाई जा रही थीं कि शायद भाजपा फिर सत्ता में न लौट पाए। ऐसे में सरकार के संरक्षण में फल-फूल रहे उद्योगपतियों को भावी नुकसान नजर आने लगा था और शायद उन्हीं के इशारों पर शेयर बाजार का ऐसा खेल चुनाव के बीच में खेला गया, जिसमें लाखों करोड़ डूब गए और देश एक जबरदस्त आर्थिक घोटाले का शिकार हो गया।

चुनाव शुरू होने के पहले ही इलेक्टोरल बॉन्ड का घोटाला सामने आया था, जिसका पूरा सच अब तक सामने नहीं आ पाया है और दोषी अब भी मजे में हैं। पीएम केयर्स फंड में किस तरह से, कितना धन आया है, यह तो मोदी सरकार ने पता लगने ही नहीं दिया। कृषि बिल, अग्निवीर योजना, अयोध्या में राम मंदिर निर्माण, चीन की घुसपैठ, पुलवामा हमला, वैक्सीन से होने वाली मौतें ऐसी कई बातों का सच अभी सामने नहीं आया है कि आखिर किस नीयत से मोदी सरकार ने इन फैसलों को लिया या जो घटनाएं हुईं, उनकी हकीकत क्या है। और अब एक नया शेयर बाजार का घोटाला भी सामने आ गया है।

1 जून को एक्जिट पोल के आते ही जिस तरह शेयर बाजार चढ़ा था, तब से कांग्रेस इसे लेकर सवाल उठा रही थी और जब नतीजे आए तो अपने एक्जिट पोल में एनडीए को भारी बहुमत देने वाली एक सर्वे एजेंसी के मुखिया को कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने खरी-खरी बात कही थी कि उनके आकाओं के कारण देश के आम आदमी को इतना नुकसान हुआ है। पवन खेड़ा ने इसे सीधे देशद्रोह कहा था। वहीं अब राहुल गांधी ने भी एक प्रेस कांफ्रेंस कर शेयर बाजार के इस घोटाले पर कड़े सवाल उठाए हैं।

राहुल गांधी ने तीन महत्वपूर्ण सवाल किए हैं- पहला, प्रधानमंत्री ने देश की जनता को निवेश की सलाह क्यों दी क्यों गृह मंत्री ने उन्हें स्टॉक खरीदने का आदेश दिया

दूसरा, दोनों जो इंटरव्यू किए गए। ये अडानी समूह के चैनल को दिए गए। उन पर पहले ही सेबी की जांच बैठी है तो उस पर जांच होनी चाहिए।

तीसरा, मोदी जी के ये जो फेक इन्वेस्टर हैं और जो विदेशी निवेशक हैं। इनके बीच क्या रिश्ता है और अगर रिश्ता है तो इसकी जांच होनी चाहिए। राहुल गांधी ने कहा कि हम इस पूरे मामले में संसदीय समिति से जांच की मांग करते हैं। इस पूरे मामले में निवेशकों ने करोड़ों गंवाए हैं।

रंगीन दुनिया में हर रंग कुछ बोलता है। बिना रंगों के तो आप अपने जीवन की कल्पना भी नहीं कर सकते। हर रंग का कुछ अर्थ है, जिसे प्रायः हम नहीं जानते। आपको अपने भाव प्रकट करने हों या किसी को कुछ उपहार में देना हो, इसका चुनाव आप रंगों के माध्यम से ही करते हैं। अगर बात फैशन की हो तो कलर की च्वाइस करना और भी जरूरी हो जाता है।

इन्हें चाहिए ब्लैक

बॉलीवुड के स्टाइल आइकल जॉब अब्राहिम, शाहरुख खान, शाहिद कपूर के फैन्स उनके ब्लैक कलर को भी फॉलो करते हैं। शादी, रिसेप्शन, डांस पार्टी, कॉकटेल पार्टी सभी जगह ब्लैक को फॉलो किया जा सकता है। ब्लैक कलर के दीवाने अपनी पसंद का यूनिक ब्लैक डिजाइनर पीस चुन रहे हैं।

व्हाइट फॉर आल

व्हाइट कलर सिर्फ यूथ ही नहीं, बल्कि बिजनेसमैन और पॉलिटिशियन की वॉडरोब का भी हिस्सा बना हुआ है। इसीलिए व्हाइट कलर में मेन्स वियर्स जैसे शर्ट्स, ट्राउजर, टाई, बेल्ट, शेरवानी, सूट, शूज और दूसरी सभी एसेसरीज तक बाजार में आसानी से उपलब्ध हैं।

सब कुछ कह देता है

फेवरेट कलर

पहले जहां अलग-अलग डिजाइनर्स के कलेक्शन को एक ही स्टोर में जगह मिलती थी, वहीं अब एक स्पेसफिक कलर के सभी डिजाइनर कपड़ों और एसेसरीज पर बेस्ड स्टोर भी शुरू हो गए हैं। एक रोचक बात और भी है कि फैशन को ध्यान में रखकर एक स्पेशल कलर थीम को लेकर अब एक्सपेरिमेंट हो रहे हैं।

इन कलर थीम में इस समय सिटी में ब्लैक, व्हाइट और पिंक थीम आ चुकी है। इन तीनों कलर्स में अगर आपको किसी भी तरह का आउटफिट, शूज, एसेसरीज और हैंडबैग चाहिए, तो आपको पूरी मैचिंग एक ही शॉप पर मिल जाएगी। ये तीनों कलर्स ही ऐसे हैं, जिन्हें यूथ के साथ ही बिजनेसमैन और पॉलिटिशियन भी पसंद करते हैं।

पिंक कलर बेस्ट

> ज्वैलरी, हेयर एसेसरीज के साथ ही गिफ्ट आइटम्स आदि में पिंक कलर ही खोजती हैं। ऐसा नहीं है कि उन्हें कोई कलर नहीं भाता, लेकिन पिंक कलर उनकी पहली प्राथमिकता होती है।

पिंक कलर युवतियों का तो हमेशा से ही फेवरेट रहा है। हर गारमेंट शॉप, मेकअप शॉप और एसेसरी शॉप में अपना फेवरेट बेबी और स्पारकलिंग पिंक ढूंढ़ती है। ऐसा माना जाता है कि टीनेजर गर्ल्स के साथ 25 साल तक की गर्ल्स पिंक कलर की ड्रेसेज और एसेसरीज को पसंद करती हैं। ये कलर रोमांस के साथ ही सॉफ्टनेस के लिए भी जाना जाता है। शायद इसीलिए गर्ल्स फैशन एसेसरीज में, फुटवियर्स, बैग, ज्वैलरी, हेयर एसेसरीज के साथ ही गिफ्ट आइटम्स आदि में पिंक कलर ही खोजती हैं। ऐसा नहीं है कि उन्हें कोई कलर नहीं भाता, लेकिन पिंक कलर उनकी पहली प्राथमिकता होती है। लड़कियां गुलाबी और लाल तथा लड़के नीले और हरे रंग के प्रति आकर्षित क्यों होते हैं, इसका कारण चीनी वैज्ञानिकों ने पता लगा लिया है। झीजांग यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने बताया कि लड़कियों के दिमाग की संरचना इस तरह से है कि वे पके हुए लाल फलों जैसे रंगों की ओर आकर्षित हो जाती हैं, जबकि लड़के आसमान जैसे रंगों को पसंद करते हैं। 350 से अधिक विद्यार्थियों पर रंगों को लेकर किए गए शोध के बाद शोधकर्ता इस नतीजे पर पहुंचे हैं। इस शोध में विद्यार्थियों पर 11 रंगों की पसंद का पता लगाया गया, साथ ही सभी का व्यक्तित्व परीक्षण भी किया गया। इस शोध में यह खुलासा हुआ है कि लड़कियों ने गुलाबी, बैंगनी और सफेद रंगों को पसंद किया, जबकि लड़कों ने नीले और हरे रंग को महत्ता दी। इससे यह भी पता चला है कि अंतर्मुखी लड़के पीले रंग को पसंद करते हैं और लड़कियां ग्रे रंग का चुनाव करती हैं।

खाएं स्वाद से...

चटनी प्याज की

सामग्री

1 स्लाइस में कटा हुआ प्याज, 1 चम्मच हल्दी, 1 चम्मच तेल, 1 चम्मच मैथीदाना, 1 चम्मच जीरा, 1 चम्मच सौंफ, आधा चम्मच कलौंजी, 100 ग्राम बैंगन, 10 ग्राम कटी हुई हरी मिर्च, 100 ग्राम कटी हुई शिमला मिर्च ,500 ग्राम पत्ता गोभी , 1 चम्मच सिरका, 150 ग्राम सेम की फली, स्वाद के अनुसार चीनी।

विधि

तेल गरम करें उसमें प्याज को भूनें । इसमें मैथी दाना, जीरा, सौंफ, हल्दी, हरी मिर्च, और कलौंजी मिलाएं और थोडी देर तक भूनते रहें। अब इसमें कटी हुई पत्तागोभी डालें और धीमी आंच पर पकने के लिए ढंककर रख दे ऊपर से सिरका और चीनी डालें । कुछ देर पकने के बाद गैस बंद कर दे। अब सब्जी तैयार हो गई। चटनी के साथ गरम गरम परोसें।

फिरनी केसर - बादाम

सामग्री

दूध एक लीटर, चावल 200 ग्राम, शक्कर 100 ग्राम, कटी बादाम 20 ग्राम, पिस्ता 15 ग्राम, हरी इलायची छह से आठ, केसर आधा ग्राम, चाँदी या सोने का वर्क।

विधि

चावल को कुछ घंटों तक पानी में भिगो लें और पानी निथारकर पीस लें। दूध को धीमी आँच पर उबालें और चावल, शक्कर, हरी इलायची और केसर मिलाकर तब तक चलाती रहें जब तक दूध गाढ़ा न हो जाए। आँच से हटा कर बादाम और पिस्ता डाल दें। सर्विस बाउल में डालकर ठंडा कर लें। अब बादाम, पिस्ता व चाँदी या सोने के वर्क की गार्निश करें और ठंडा करके परोसें।

लो फैट मिठाई

सामग्री

250 ग्राम गेहूँ का आटा, 30 ग्राम घी, 200 ग्राम पिसी हुई चीनी या गुड़, एक चम्मच इलायची पावडर, एक चम्मच बादाम पावडर।

विधि

मोटे तले की कड़ाही में आटा भून लें। पिसी चीनी या गुड़ का चूरा कर आटे में मिला लें। मध्यम आँच पर दस निमट तक पकाएँ और थोड़ी-थोड़ी देर पर चलाती रहें। बाद में इलायची और बादाम पांवडर मिला लें। हाथ पर थोड़ा-सा घी लगाकर इनके लड्डू बाँध लें। और खुलकर खाएँ लो फैट मिठाइयाँ।

कुकर के रबड़ पर विशेष ध्यान दें। यदि रबड़ ढीला होगा तो प्रेशर नहीं बनेगा। नया रबड़ हमेशा अच्छी कंपनी का ही खरीदें । कभी रबड़ ढीला हो जाए तो उसे 15 मिनट तक फ्रीजर में रख दें। फिर से प्रेशर बनना प्रारंभ हो जाएगा। कुकर के ढक्कन की सफाई गाकेट उतारकर पुराने टूथ ब्रश से करें ताकि कोई भी खाद्य पदार्थ चिपका न रह जाए। इससे भी प्रेशर बनने में परेशानी होती है। गैस चूल्हे की हर बार खाना बनाने के पश्चात गीले कपड़े से या सूखे कपड़े से सफाई की जाए तो हम कई परेशानियों से बच सकते हैं।

जबसे महिलाओं ने बाहर का मोर्चा संभालना प्रारंभ किया है, विज्ञान ने भी इतने नये उपकरण निकाल दिए हैं कि उन्हें रसोई संभालना, घर की साफसफाई रखना अधिक मुश्किल न लगे पर बिजली के उपकरण भी देखभाल मांगते है ताकि उन्हें लंबे समय तक अपने आराम का साथी बनाया जा सके। माइक्रोवेव, गैस स्टोव, मिक्सर जूसरग्राइंडर, फ्रिज, एसी, टोस्टर, प्रेशर कुकर, एक्जास्ट फैन, चिमनी आदि की सफाई का ध्यान नहीं रखेंगे तो ये हमारा जल्दी साथ छोड़ देंगे और हमारी परेशानी बढ़ जाएगी। तो आइये देखें इनकी देखरेख कैसे की जाए।

कुकर : कुकर हमेशा आईएसआई मार्क का खरीदें जो काफी भारी हो। हलका कुकर जल्दी फट सकता है। कुकर जल्दी खाना बनाने में हमारी मदद करता है और ईंधन की बचत करता है। यदि हम इसके प्रति लापरवाही बरतेंगे तो यह भी हमारे प्रति लापरवाह हो जाएगा। कुकर के ढक्कन का प्रयोग आराम से करें और ढक्कन उपयोग के बाद सावधानीपूर्वक ऐसे स्थान पर रखें ताकि वो गिरे नहीं और दबे नहीं। गिरने से ढक्कन टेढ़ा हो जाता है आर प्रेशर बनने में मुश्किल होती है। कुकर में दाल बनाते समय थोड़ा सा रिफाइंड तेल अवश्य डालें ताकि दाल का पानी बाहर न निकले। कुकर के रबड़ पर विशेष ध्यान दें। यदि रबड़ ढीला होगा तो प्रेशर नहीं बनेगा। नया रबड़ हमेशा अच्छी कंपनी का ही खरीदें। कभी रबड़ ढीला हो जाए तो उसे 15 मिनट तक फ्रीजर में रख दें। फिर से प्रेशर बनना प्रारंभ हो जाएगा। कुकर के ढक्कन की सफाई गाकेट उतारकर पुराने टूथ ब्रश से करें ताकि कोई भी खाद्य पदार्थ चिपका न रह जाए। इससे भी प्रेशर बनने में परेशानी होती है।

गैस चूल्हा : गैस चूल्हे की हर बार खाना बनाने के पश्चात गीले कपड़े से या सूखे कपड़े से सफाई की जाए तो हम कई परेशानियों से बच सकते हैं।

तापसी पन्नू

को पति मैथियास बो से नहीं हुआ था पहली नजर का प्यार, बोलीं- मैंने कई लोगों को डेट किया लेकिन...

अपनी पर्सनल लाइफ को प्राइवेट रखने वालीं तापसी पन्नू ने इसी साल मार्च में उदयपुर में गुपचुप तरीके से लॉन्ग टाइम ब्वॉयफ्रेंड मैथियास बो के साथ शादी रचाई थी। शादी के बाद तापसी ने मैथियास के साथ अपनी प्यारी लव स्टोरी बताई है।तापसी पन्नू और मैथियास बो ने शादी से पहले एक-दूसरे को करीब एक दशक तक डेट किया है। मगर मजाल है कि एक्ट्रेस ने कभी अपने रिलेशनशिप के बारे में खुलकर बात की है। उन्होंने भले ही अपने रिलेशनशिप से इनकार नहीं किया, लेकिन कभी अपनी पर्सनल लाइफ पर ज्यादा चर्चा नहीं की।

मैथियास से तापसी को नहीं हुआ था पहली नजर का प्यार

एक हालिया इंटरव्यू में तापसी पन्नू ने कहा कि उनके दिल में स्पोर्ट्स पर्सन के लिए एक अलग जगह है, लेकिन ऐसा नहीं कि मैथियास से मिलते ही उन्हें पहली नजर में उनसे प्यार हो गया। कॉस्मोपॉलिटन इंडिया से बात करते हुए एक्ट्रेस ने कहा-यह पहली नजर का प्यार नहीं था, कम से कम मेरे लिए तो नहीं। मुझे यह टेस्ट करने में समय लगा कि यह प्रैक्टिल है। मेरे लिए रिश्ते की साध्यता जरूरी है। मुझे वह पसंद थे और मैं उनका

सम्मान करती थी। हम मिलते रहे और मैंने उनसे प्यार करने लगी। ऐसा नहीं है कि एक महीने में या फिर तुरंत मैं प्यार में पड़ गई। मैं कई बार इंटरव्यूज में कह चुकी हैं कि जब मैं उनसे मिली तो मुझे लगा कि मैं एक आदमी से मिली हूं।

मैथियास से पहले कई लोगों को डेट कर चुकी हैं तापसी

डंकी एक्ट्रेस ने बताया कि भले वह कई लोगों को डेट कर चुकी हैं, लेकिन मैथियास जैसा कोई नहीं था। बकौल तापसी-मैंने उनसे पहले बहुत से लड़कों को डेट किया था और अचानक मेरी मुलाकात एक ऐसे लड़के से हुई जो मुझे ऐसा नहीं लगा जैसे मैं पहले कभी किसी के साथ डेट पर गई थी। उसके साथ मुझे सिक्योरिटी और मैच्योरिटी की फीलिंग आई। उससे मिलकर मुझे ऐसा लगा, आखिरकार तुम्हें वह आदमी मिल गया।'43 साल के मैथियास बो डेनमार्क के पूर्व बैडमिंटन प्लेयर हैं। वह यूरोपियन गेम्ज में गोल्ड मेडल जीत चुके हैं। वह अपनी टीम के लिए सिल्वर मेडल भी जीत चुके हैं।

सिकंदर' के आगे नहीं टिक पाएगा कोई! सलमान खान ने शुरू कर दी है जीत की तैयारी

सुपरस्टार सलमान खान इस साल अपनी कोई फिल्म लेकर नहीं आ रहे हैं. इस साल की ईद भी बिना भाईजान की फिल्म के गुजर गई. लेकिन अगले साल ईद पर बड़ा धमाका करने के लिए सलमान खान अपनी पूरी शिद्दत के साथ काम कर रहे हैं. अपनी अपकमिंग फिल्म 'सिकंदर' के जरिए सलमान इस एक साल की कमी को पूरा कर देंगे. 'सिकंदर' एक कंपलीट एक्शन फिल्म होने वाली है. इस पिक्चर के लिए भाईजान स्टंट और एक्शन पर अपनी कड़ी मेहनत करने वाले हैं.सलमान खान 27 जून के आसपास 'सिकंदर' की शूटिंग शुरू करेंगे. तीन हफ्ते बाद ये फिल्म फ्लोर पर उतर जाएगी. एआर मुरुगादॉस के साथ पहली बार सलमान खान काम करने जा रहे हैं. एक रिपोर्ट की मानें तो सलमान फिल्म के लिए काफी इनटेंस मेहनत कर रहे हैं. इतना ही नहीं वो इस हफ्ते चेन्नई के लिए रवाना हो जाएंगे. माना जा रहा है कि सलमान का अगले हफ्ते चेन्नई जाने के पीछे का एजेंडा ये है कि वहां वो दमदार फाइट के लिए रिहर्सल करेंगे.

अपने तीन दशक के करियर में सलमान ने कई एक्शन फिल्मों में काम किया है. लेकिन फिर भी वो 'सिकंदर' के साथ किसी भी तरह की कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते हैं. फिल्म में एक्टर एक ऐसा किरदार निभाने जा रहे हैं, जिसके लिए उन्हें फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन की जरूरत है. इसकी तैयारी सलमान ने पिछले महीने से ही शुरू कर दी है. वहीं फिल्म के डायरेक्टर ने सलमान के लिए कुछ खास एक्शन कोरियोग्राफरों को शामिल किया है. उन्होंने फिल्म के लिए कुछ खास फाइट सीक्वेंस डिजाइन किए हैं. जिन्हें अगले कुछ हफ्तों के अंदर सलमान खान को परफेक्ट बनाना होगा. सलमान के साथ-साथ ये स्टंट पूरा करवाना पूरी टीम के लिए एक बड़ा चैलेंज होने वाला है. चेन्नई के अलावा कुछ रिहर्सल हैदराबाद में भी होंगी. फिल्म की शूटिंग मुंबई के अलावा हैदराबाद और यूरोप की कई लोकेशन पर की जाएगी. हालांकि अभी तक कुछ लोकेशन को सीक्रेटरखा गया है ताकि प्रोजेक्ट से जुड़ी कोई जानकारी लीक न हो. मुरुगादॉस पहले फिल्म के एक्शन सीन्स को प्रायोरिटी पर रखना चाहते हैं. सलमान खान खुद अपने स्टंट करने वाले हैं इसलिए डायरेक्टर चाहते हैं कि पहले उन्हें ही शूट किया जाए.

बेटी समारा के लिए इस बात से डरती हैं Ranbir Kapoor की बहन रिद्धिमा कपूर, डिलीट करवाना चाहती हैं इंस्टाग्राम अकाउंट

सोशल मीडिया के चलन के साथ चुनौतियां भी बढ़ रही हैं। ऐसे में सोशल मीडिया का इस्तेमाल समझदारी से करने में ही भलाई है। हाल ही में, रणबीर कपूर क बहन रिद्धिमा कपूर साहनी ने अपनी बेटी को लेकर ऑनलाइन सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है।रिद्धिमा कपूर खुद सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं। भले ही वह फिल्मी दुनिया से दूर रहती हैं, लेकिन ग्लैमर वर्ल्ड में उनका नाम है। भले ही उनकी दिलचस्पी लाइमलाइट में रहना न हो, लेकिन उनकी बेटी समारा को सुर्खियों में रहना पसंद है। वह अक्सर खुलकर पैपराजी के सामने पोज देती हुई नजर आती हैं।

रिद्धिमा कपूर डिलीट करवाना चाहती हैं बेटी का इंस्टाग्राम

हाल ही में, रिद्धिमा कपूर ने बताया कि वह अपनी बेटी के लिए बहुत परेशान रहती हैं और वह कुछ भयानक लोगों से अपनी बेटी को बचाना चाहती हैं। इसीलिए वह चाहती हैं कि उनकी बेटी अपना इंस्टाग्राम अकाउंट डिलीट कर दें। गलाटा इंडिया के साथ बातचीत में रिद्धिमा ने कहा- हर बार जब मैं समारा से कहती हूं कि अपना अकाउंट प्राइवेट करो, लेकिन वह पब्लिक कर देती है। सबसे पहले मैं नहीं चाहती थी कि उसका अकाउंट हो। इसलिए मैं निगरानी करती रहती हूं। रिद्धिमा कपूर ने आगे कहा कि वह चाहती हैं कि समारा अपना इंस्टाग्राम अकाउंट डिलीट कर दें। उनका कहना है कि जब समारा बड़ी हो जाएगी तो पक्का ऐसा करेगी।

रिद्धिमा कपूर के पति

रिद्धिमा कपूर ने साल 2006 में दिल्ली बेस्ड बिजनेसमैन भरत साहनी से शादी की थी। रिद्धिमा और भरत को एक बेटी समारा हैं।43 साल की रिद्धिमा कभी बॉलीवुड में नहीं आईं। वह अपना ज्वेलरी ब्रांड चलाती हैं। मगर अब वह ग्लैमर वर्ल्ड में कदम रख रही हैं। अब वह फैबुलस लाइव्स वर्सेज बॉलीवुड वाइव्स में नजर आएंगी, जो जल्द ही नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो रहा है। यह सीरीज का तीसरा सीजन है।

रणबीर कपूर

ने बताया झगड़े के बाद ऐसा होता है पत्नी Alia Bhatt का रिएक्शन, सबसे पहले सॉरी बोलता है ये स्टार

रणबीर कपूर और आलिया भट्ट बी टाउन के पावर कपल में से एक हैं। एनिमल एक्टर रणबीर कपूर ने मिर्ची प्लस के लिए करीना कपूर खान के साथ बातचीत करते हुए कहा था कि अगर हमारे बीच कभी लड़ाई होती है, तो मैं बस थोड़ी दूरी बना लेता हूं। हालांकि, आलिया ऐसा नहीं करती। वह वकील की तरह पेश आती हैं। अगर उन्हें लगता है कि कुछ गलत हुआ है, तो वह तब तक नहीं छोड़ेगी, जब तक अपनी बात साफ नहीं कर देतीं।

दोनों की जोड़ी इनके फैंस को काफी पसंद आती है। ऐसे में इनके चाहने वाले भी इनसे जुड़ी हर छोटी बड़ी अपडेट जानने के लिए उत्साहित रहते हैं कि दोनों साथ में कैसे टाइम स्पेंड करते हैं और अगर इनके बीच कभी झगड़ा हो, तो क्या करते हैं।एक बार रणबीर कपूर ने कजिन करीना कपूर के साथ खास बातचीत में यह खुलासा करते हुए बताया था कि अगर उनके और आलिया के बीच में कभी झगड़ा होता है, तो ऐसे में उनका रिएक्शन कैसा होता और एक्ट्रेस इस पर किस तरह से रिएक्ट करती हैं।

रणबीर ने पत्नी आलिया के लिए कही ये बात

हमेशा मैं कहता हूं सॉरी

इसके आगे एक्टर ने कहा कि मैं ऐसा लड़का हूं, जिसके पास कोई ईगो नहीं है, सेल्फ रिस्पेक्ट भी नहीं है। सही या गलत होने पर भी मैं सॉरी कहने में बहुत खुश हूं, लेकिन मुझे स्पेस का कॉन्सेप्ट पसंद है।सिर्फ इतना ही नहीं, रणबीर ने आगे कहा कि जब कोई कपल लड़ता है, तो कभी-कभी वह एक-दूसरे को चोट पहुंचाने के लिए ऐसी बातें कह देते हैं, जो शायद नहीं कहनी चाहिए। हालांकि, आपको वो कहने का कोई इरादा नहीं होता, लेकिन सामने वाले को लगता है कि आप सोच समझ कर ही बोल रहे हैं।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक अनिल कुमार जम्वाल द्वारा ग्राम शाहल, डाकघर भौंट, तहसील व जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश से प्रकाशित एवं सिग्मा प्रिंटर, ब्लॉक नं.6, शॉप नं. 170, एसडीए कॉम्पलेक्स, कसुम्पटी, शिमला-171009 से मुद्रित।
संपादकः अनिल कुमार जम्वाल। हिमालयन अपडेट से संबंधित सभी मामलों का निपटारा न्यायिक अधिकार क्षेत्र शिमला में ही होगा। फोन नं. 7018631199। email: himalayanupdate@gmail.com